Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwapariwar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 347 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, बुधवार 24 जून 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

परिश्रम के द्वारा मंजिल तब प्राप्त होती है, जब अपना ध्यान मजबूत होता है।

Hand work begets us the destination only when we have determined meditation.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

सीएम साय की कैबिनेट की बैठक: ग्रामीण रोजगार और क्लीन एनर्जी पर जोर, 125 दिन रोजगार गारंटी

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय (महानदी भवन) में आयोजित कैबिनेट बैठक में आज ग्रामीण विकास, रोजगार और स्वच्छ ऊर्जा को लेकर तीन बड़े फैसले लिए गए। इन फैसलों का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार बढ़ाना, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। सरकार ने इसके तहत नई रोजगार गारंटी योजना, ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने वाली हाट योजना और स्वच्छ ईंधन से जुड़ी बायोगैस नीति को मंजूरी दी है। इन फैसलों के जरिए गांवों में काम के नए अवसर बनेंगे, लोगों को अपने क्षेत्र में ही रोजगार मिलेगा और पर्यावरण के अनुकूल विकास को गति मिलेगी।

मंत्रिपरिषद ने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और विकास को बढ़ावा देने के लिए ''वीबी-जी राम जी योजना'' को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत पात्र ग्रामीण परिवार के हर वयस्क सदस्य को हर साल 125 दिन तक काम की गारंटी दी जाएगी। यह काम मुख्य रूप से अकुशल श्रम पर आधारित होगा।

इस योजना में जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, गांवों में बुनियादी विकास कार्य और आजीविका बढ़ाने वाले कार्य शामिल होंगे। साथ ही सभी विकास कार्यों की निगरानी डिजिटल तकनीक के माध्यम से की जाएगी ताकि पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे। इस योजना में केंद्र और राज्य सरकार का खर्च अनुपात 60:40 रहेगा और साल 2026-27 के लिए 4,000 करोड़ रुपए का बजट तय किया गया है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सरकार ने ''अटल आजीविका समृद्धि हाट योजना'' शुरू करने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत गांवों में अलग-अलग प्रकार के केंद्र स्थापित किए जाएंगे। जैसे हथकरघा और हस्तशिल्प केंद्र, कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण इकाइयां, कोल्ड स्टोरेज, सोलर ड्रायर, कृषि उपकरण मरम्मत केंद्र और डिजिटल सेवा केंद्र। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीणों को उनके ही क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर देना है। इसके अलावा स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराना है। इस योजना का संचालन छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और पंचायत-ग्रामीण विकास विभाग की ओर से किया जाएगा।

राष्ट्र निर्माण में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ योगदान देने का आह्वान

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने में युवा सिविल सेवक निभाएं अग्रणी भूमिका: पीएम नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा 2024 बैच के 183 अधिकारी प्रशिक्षुओं से संवाद करते हुए उन्हें विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने के लिए राष्ट्र निर्माण में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ योगदान देने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री कार्यालय (सेवा तीर्थ) में आयोजित कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि दो वर्षों के फील्ड अनुभव और प्रशासनिक प्रशिक्षण के बाद युवा अधिकारी ऐसे महत्वपूर्ण चरण में पहुंचे हैं, जहां उनके फैसले न केवल उनके करियर बल्कि करोड़ों नागरिकों के भविष्य को भी प्रभावित करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकसेवा की वास्तविक परीक्षा ईमानदारी, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ वास्तविक परिस्थितियों का सामना करने में है। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से नवाचार, उद्देश्यपूर्ण कार्यशैली और नागरिक-केंद्रित शासन के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

पीएम मोदी ने कहा कि प्रशासनिक फाइलों को केवल कागजी प्रक्रिया न समझें, बल्कि यह याद रखें कि हर फाइल के पीछे लाखों लोगों की आकांक्षाएं, समस्याएं और जीवन जुड़े होते हैं। उन्होंने नागरिक देवो भव का मंत्र देते हुए अधिकारियों से हर निर्णय के केंद्र में नागरिकों को रखने और शासन को संवेदनशील, जवाबदेह तथा समावेशी बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बड़े विकासात्मक लक्ष्यों को विभागीय सीमाओं में रहकर हासिल नहीं किया जा सकता। इसके लिए विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है, जिससे स्थायी और प्रभावी परिणाम सुनिश्चित किए जा सकें।

प्रधानमंत्री ने विकसित भारत 2047 के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में प्रत्येक नीति और प्रशासनिक निर्णय देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में योगदान देने वाला होना चाहिए। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, विनिर्माण क्षेत्र के विस्तार, ऊर्जा सुरक्षा और युवाओं के लिए रोजगार एवं अवसर सृजन को वर्तमान समय की प्रमुख प्राथमिकताएं बताया। डेटा आधारित प्रशासन पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आंकड़ों को केवल संख्या के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि उन्हें करोड़ों लोगों के जीवन, चुनौतियों और आकांक्षाओं का प्रतिबिंब मानना चाहिए।

क्रिकेटर रोहित शर्मा पद्मश्री से सम्मानित 65 विशेष हस्तियों को मिले पद्म अवॉर्ड

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में पद्म पुरस्कारों के दूसरे चरण के समारोह में 65 हस्तियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में 2 पद्म विभूषण, 7 पद्म भूषण और 56 पद्मश्री पुरस्कार दिए गए। पूर्व सुप्रीम कोर्ट के जज केटी थॉमस को जनसेवा और वरिष्ठ मलयालम पत्रकार पी. नारायणन को साहित्य के क्षेत्र में योगदान के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। झारखंड के पहले मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को पद्मभूषण (मरणोप्रांत) दिया गया। गायिका अलका याग्निक ने पद्म भूषण मिलने से पहले पीएम नरेंद्र मोदी के पैर छुए।

क्रिकेटर रोहित शर्मा और अभिनेता आर. माधवन को पद्म श्री से सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाने वालों में अभिनेता ममूटी और पूर्व टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज भी शामिल रहे।

इस साल कुल 131 लोगों को पद्म पुरस्कारों के लिए चुना गया है। इससे पहले पहले चरण में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, अभिनेता धर्मेंद्र समेत 66 हस्तियों को सम्मानित किया गया था। नगालैंड के गुरु संग्युसंग पोंगनेर को पद्मश्री से सम्मानित किया गया। वे छह दशकों से 'आओ नागा' लोक कला को बचाने के लिए काम कर रहे हैं। पोंगनेर पारंपरिक पोशाक पहनकर पुरस्कार लेने पहुंचे।

नगालैंड के गुरु संग्युसंग पोंगनेर को पद्मश्री से सम्मानित किया गया। वे छह दशकों से 'आओ नागा' लोक कला को बचाने के लिए काम कर रहे हैं। पोंगनेर पारंपरिक पोशाक पहनकर पुरस्कार लेने पहुंचे। भारतीय शास्त्रीय गायक मंगला कपूर को पद्मश्री से सम्मानित किया। ग्वालियर घराने से ट्रेनिंग लेने वालीं मंगला प्रदर्शन, शिक्षण और शोध से भारतीय शास्त्रीय संगीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन ने मंत्रिपरिषद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने मंत्रिपरिषद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति भवन ने मंगलवार को कुरियन के इस्तीफे की जानकारी दी। प्रेस रिलीज में बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पीएम नरेंद्र मोदी की सलाह पर उनका इस्तीफा स्वीकार किया है। हालांकि, इस्तीफे की वजह नहीं बताई गई है। 65 साल के कुरियन मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय और मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय में राज्य मंत्री के पद पर थे।

तबादला: छत्तीसगढ़ आयकर विभाग में हुआ बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

- 209 आयकर निरीक्षकों का हुआ तबादला

रायपुर। प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश क्षेत्र ने आयकर विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 209 आयकर निरीक्षकों के तबादले किए हैं।

जारी आदेश के अनुसार अधिकारियों को नई पदस्थापना स्थल पर 3 जुलाई तक कार्यभार ग्रहण कर इसकी सूचना विभाग को भेजने के निर्देश दिए गए हैं। जारी सूची के अनुसार सर्वाधिक तबादले भोपाल में 46 और रायपुर में 31 निरीक्षकों के किए गए हैं। इसके अलावा इंदौर में 21, भिलाई में 10 और बिलासपुर में 6 निरीक्षकों की नई पदस्थापना की गई है। वहीं छत्तीसगढ़ के अन्य शहरों में भी बदलाव किए गए हैं। इनमें रायगढ़ से 2 तथा भाटापारा, महासमुंद और अंबिकापुर से 1-1 निरीक्षक शामिल हैं। तबादला सूची में ऐसे कई अधिकारी शामिल हैं, जिन्हें छत्तीसगढ़ से मध्यप्रदेश और मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों में स्थानांतरित किया गया है। विभागीय जरूरतों और प्रशासनिक संतुलन को ध्यान में रखते हुए यह बदलाव किया गया है।

24 दिनों बाद मानसून की दस्तक, अगले 5 दिनों तक अंधड़ के साथ बारिश की संभावना

रायपुर (विश्व परिवार)। आखिरकार लंबे दिनों के इंतजार के बाद सोमवार को दक्षिण-पश्चिम मानसून दंतेवाड़ा जिला पहुंच गया। यहां कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई है। अगले दो-तीन दिनों में रायपुर में मानसून आने की संभावना है। इसके पहले यहां दोपहर व शाम को प्री मानसून बारिश हुई। मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों तक प्रदेश के कई इलाकों में अंधड़ के साथ बारिश व आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी दी है।

रायपुर में हुई बारिश से पारा ढाई डिग्री लुढ़क गया। 21 जून को अधिकतम तापमान 40.9 डिग्री रहा, जो सोमवार को 38.5 डिग्री रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 30.1 डिग्री रहा, जो 24 घंटे पहले 29.3 डिग्री था। दिन व रात का तापमान सामान्य से 4.8 डिग्री ज्यादा है। इसका मतलब ये है कि राजधानी में अभी भी गर्मी व उमस है। प्रदेश के अन्य जिलों में अधिकतम तापमान सामान्य से साढ़े 5 डिग्री तक अधिक है। जगदलपुर में बारिश के कारण वहां दिन का पारा लुढ़ककर 29.6 डिग्री पर आ गया। यह सामान्य से एक डिग्री कम है। प्रदेश में पिछले 22 सालों में 10 बार मानसून देरी से आया है। 2018 में 26 व 2008 में 27 जून को मानसून ने दस्क दी थी।

सेंट पॉल स्कूल में सामुदायिक भवन पर चला बुलडोजर

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर के सेंट पॉल स्कूल परिसर के पास बने निर्माणाधीन विवादित ढांचे पर मंगलवार को प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाकर ढहा दिया। सुबह से शुरू हुई कार्रवाई में जेसीबी और अन्य मशीनों की मदद से भवन को ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। मौके पर अपर कलेक्टर, एडीसीपी, नगर निगम, राजस्व विभाग और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस ने परिसर के दोनों ओर की सड़कों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया और पूरे अभियान की कड़ी निगरानी की।

उर्वरकों की कालाबाजारी रोकने कृषि विभाग की कड़ी कार्रवाई

रायपुर (विश्व परिवार)। रासायनिक उर्वरकों की कालाबाजारी, अनियमित बिक्री एवं किसानों के बीच कृत्रिम अभाव की स्थिति को रोकने कृषि विभाग द्वारा लगातार निरीक्षण एवं जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज बिलासपुर जिले में बिल्हा के उर्वरक निरीक्षक श्री आर.एस. गौतम द्वारा ग्राम पोड़ी सरवानी स्थित प्रजापति ट्रेडर्स का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि प्रतिष्ठान द्वारा यूरिया एवं सिंगल सुपर फॉस्फेट उर्वरक का विक्रय आवश्यक प्राधिकार पत्र के बिना किया जा रहा था, जो उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के प्रावधानों का उल्लंघन है। अनियमितता पाए जाने पर उर्वरक निरीक्षक ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 9.5 टन यूरिया एवं 3.15 टन सुपर फॉस्फेट, कुल 12.65 टन उर्वरक की बिक्री पर रोक लगा दी। साथ ही विक्रेता को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए पाई गई कमियों को तत्काल दूर करने तथा निर्धारित समयावधि में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

कृषि विभाग के उप संचालक पी.डी. हाथेश्वर ने स्पष्ट किया है कि संतोषजनक जवाब प्राप्त नहीं होने की स्थिति में उर्वरक विक्रय लाइसेंस के निलंबन सहित नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

भगवान ऋषभदेव इस धरती के प्रथम राजा-योगी आदित्यनाथ जी

जैन तीर्थ अयोध्या में भगवान मुनिसुव्रतनाथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न

अयोध्या (विश्व परिवार)। श्री ऋषभदेव दिगम्बर जैन मंदिर, बड़ी मूर्ति, रायगंज परिसर में भगवान मुनिसुव्रतनाथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव सानंद सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम गुरुआज्ञा के साथ प्रारंभ हुआ समारोह। समारोह का ध्वजारोहण करने का सौभाग्य श्री प्रमोद जैन, सुबोध जैन, मॉडल टाउन, दिल्ली के हाथों से सम्पन्न हुआ। इसी क्रम में सौधर्म इन्द्र सिद्धार्थ जैन-सौ. दीप्ति जैन-लखनऊ एवं आदीश जैन-स्मृति जैन के द्वारा झण्डारोहण की क्रियाएँ सम्पन्न की गयीं।

घटयात्रा के द्वारा शोभायात्रा निकाली गयी एवं मण्डप उद्घाटन श्री वैसलाशचंद जैन सर्राफ-लखनऊ के द्वारा सम्पन्न हुआ। मुख्य वेदी में मंगल कलश स्थापित अध्यात्म-अर्पिता जैन-लखनऊ के द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलन करने का सौभाग्य श्रीमती बीनारानी जैन, चौक-लखनऊ को प्राप्त हुआ। भगवान के माता-पिता बनने का सौभाग्य डॉ. राधा-दिनेश जैन, डालीगंज-लखनऊ को प्राप्त हुआ। गर्भकल्याणक की संध्या पर माता की गोद भराई एवं पिता का सम्मान किया गया एवं सौधर्म इन्द्र की सुधर्मा सभा का बहुत सुंदर मंचन किया गया, जिसमें समस्त इन्द्र-इन्द्राणियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जन्मकल्याणक की शोभायात्रा अयोध्या के मुख्य मार्ग रामपथ होते हुए तुलसी उद्यान तक गयी एवं वापस रायगंज दिगम्बर जैन मंदिर पहुँचकर पाण्डुकशिला पर भगवान का जन्माभिषेक सम्पन्न किया गया। सायं पालने एवं बालक्रीड़ा का बहुत सुंदर कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। अनेक स्थानों से बसें एवं कारों के माध्यम से जनसमूह उपस्थित हुआ। तपकल्याणक के दिवस उत्तरप्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी का आगमन हुआ।

सर्वप्रथम पीठधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी ने पुष्पगुच्छ देकर माननीय मुख्यमंत्री जी का अभिवादन किया। इसी क्रम में कमेटी के मंत्रीगण श्री विजय कुमार जैन, डॉ. जीवन प्रकाश जैन, शुभचंद जैन ने पुष्पगुच्छ देकर माननीय मुख्यमंत्री जी का स्वागत किया एवं इसी श्रृंखला में तीर्थ पर सुंदर नवनिर्मित द्वार का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री जी के करकमलों से किया गया, जिसका पुण्यार्जन श्री आदीश जैन-स्मृति जैन परिवार, चौक, लखनऊ के द्वारा हुआ। जिसमें उन्होंने शिलापट्ट का अनावरण एवं स्वस्तिक बनाकर उद्घाटन किया। इसी क्रम में भगवान ऋषभदेव के 101 पुत्र सिद्धपरमेष्ठी भगवन्तों के जिनमंदिर का भी उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री जी ने मंदिर के दर्शन किए एवं परमपूज्य गणिनप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के दर्शन एवं वार्तालाप किया।

तीर्थ विकास के संदर्भ में विचारों का आदान-प्रदान किया। इस समय साथ में प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी, तीर्थ के अध्यक्ष कर्मयोगी पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी के साथ मंदिर निर्माता संघपति श्री अनिल कुमार-सौ. अनीता जैन, सौ. अनामिका-निकुंज जैन परिवार, प्रीतविहार, दिल्ली उपस्थित थे। इस अवसर पर अयोध्या के स्थानीय विधायक श्री वेदप्रकाश जी गुप्ता भी समस्त कार्यक्रम में उपस्थित थे। इसके पश्चात् माननीय मुख्यमंत्री जी का मंच पर आगमन हुआ। सर्वप्रथम मंच पर विराजमान आचार्य श्री

■ शेष समाचार पृष्ठ 5 पर...

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर संभाग
रायपुर, बुधवार 24 जून 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./32410/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 23-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32410
वार्ड का नाम-44-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR739E0124A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. ASHA DIXIT W/O VYAS NARAYAN DIXIT, 2. SARITA MISHRA W/O LATE. DEEPAK MISHRA, 3. SHAIL SHUKLA W/O RATNESH SHUKLA, 4. SEEMA SHUKLA W/O LATE. NEELKANT SHUKLA, 5. KAMLESH MISHRA S/O LATE. JAGDISH PRASAD MISHRA, 6. SADHNA MISHRA W/O LATE. JGDISH PRASAD MISHRA, Relationship Name 7. PRABHAT MISHRA S/O LATE. JAGDISH PRASAD MISHRA, 8. RAJENDRA KUMAR MISHRA S/O LATE. JAGDISH PRASAD MISHRA, 9. SAMEER MISHRA S/O LATE. BADRI PRASAD MISHRA, 10 NISHA MISHRA W/O LATE. DURGESH MISHRA**पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **आशालता दीक्षित** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति स्व. व्यास नारायण दीक्षित** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, पंजीकृत बंटवारानामा आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./32411/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 23-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32411
वार्ड का नाम-44-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR739E0124B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. ASHA DIXIT W/O VYAS NARAYAN DIXIT, 2. SARITA MISHRA W/O LATE. DEEPAK MISHRA, 3. SHAIL SHUKLA W/O RATNESH SHUKLA, 4. SEEMA SHUKLA W/O LATE. NEELKANT SHUKLA, 5. KAMLESH MISHRA S/O LATE. JAGDISH PRASAD MISHRA, 6. SADHNA MISHRA W/O LATE. JGDISH PRASAD MISHRA, Relationship Name 7. PRABHAT MISHRA S/O LATE. JAGDISH PRASAD MISHRA, 8. RAJENDRA KUMAR MISHRA S/O LATE. JAGDISH PRASAD MISHRA, 9. SAMEER MISHRA S/O LATE. BADRI PRASAD MISHRA, 10 NISHA MISHRA W/O LATE. DURGESH MISHRA**पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **साधना मिश्रा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति स्व. विजय मिश्रा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, पंजीकृत बंटवारानामा आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./32412/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 23-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32412
वार्ड का नाम-44-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR739E0124C** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. ASHA DIXIT W/O VYAS NARAYAN DIXIT, 2. SARITA MISHRA W/O LATE. DEEPAK MISHRA, 3. SHAIL SHUKLA W/O RATNESH SHUKLA, 4. SEEMA SHUKLA W/O LATE. NEELKANT SHUKLA, 5. KAMLESH MISHRA S/O LATE. JAGDISH PRASAD MISHRA, 6. SADHNA MISHRA W/O LATE. JGDISH PRASAD MISHRA, Relationship Name 7. PRABHAT MISHRA S/O LATE. JAGDISH PRASAD MISHRA, 8. RAJENDRA KUMAR MISHRA S/O LATE. JAGDISH PRASAD MISHRA, 9. SAMEER MISHRA S/O LATE. BADRI PRASAD MISHRA, 10 NISHA MISHRA W/O LATE. DURGESH MISHRA**पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **प्रभात मिश्रा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता स्व. जगदीश प्रसाद मिश्रा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, पंजीकृत बंटवारानामा आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./32413/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 23-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32413
वार्ड का नाम-44-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR739E0124D** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. ASHA DIXIT W/O VYAS NARAYAN DIXIT, 2. SARITA MISHRA W/O LATE. DEEPAK MISHRA, 3. SHAIL SHUKLA W/O RATNESH SHUKLA, 4. SEEMA SHUKLA W/O LATE. NEELKANT SHUKLA, 5. KAMLESH MISHRA S/O LATE. JAGDISH PRASAD MISHRA, 6. SADHNA MISHRA W/O LATE. JGDISH PRASAD MISHRA, Relationship Name 7. PRABHAT MISHRA S/O LATE. JAGDISH PRASAD MISHRA, 8. RAJENDRA KUMAR MISHRA S/O LATE. JAGDISH PRASAD MISHRA, 9. SAMEER MISHRA S/O LATE. BADRI PRASAD MISHRA, 10 NISHA MISHRA W/O LATE. DURGESH MISHRA**पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **राजेन्द्र कुमार मिश्रा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता स्व. जगदीश प्रसाद मिश्रा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, पंजीकृत बंटवारानामा आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./32414/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 23-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32414
वार्ड का नाम-44-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR739E0124E** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. ASHA DIXIT W/O VYAS NARAYAN DIXIT, 2. SARITA MISHRA W/O LATE. DEEPAK MISHRA, 3. SHAIL SHUKLA W/O RATNESH SHUKLA, 4. SEEMA SHUKLA W/O LATE. NEELKANT SHUKLA, 5. KAMLESH MISHRA S/O LATE. JAGDISH PRASAD MISHRA, 6. SADHNA MISHRA W/O LATE. JGDISH PRASAD MISHRA, Relationship Name 7. PRABHAT MISHRA S/O LATE. JAGDISH PRASAD MISHRA, 8. RAJENDRA KUMAR MISHRA S/O LATE. JAG|DISH PRASAD MISHRA, 9. SAMEER MISHRA S/O LATE. BADRI PRASAD MISHRA, 10 NISHA MISHRA W/O LATE. DURGESH MISHRA**पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **सरिता मिश्रा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति स्व. दीपक मिश्रा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, पंजीकृत बंटवारानामा आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./32415/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 23-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32415
वार्ड का नाम-44-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR739E0124F** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. ASHA DIXIT W/O VYAS NARAYAN DIXIT, 2. SARITA MISHRA W/O LATE. DEEPAK MISHRA, 3. SHAIL SHUKLA W/O RATNESH SHUKLA, 4. SEEMA SHUKLA W/O LATE. NEELKANT SHUKLA, 5. KAMLESH MISHRA S/O LATE. JAGDISH PRASAD MISHRA, 6. SADHNA MISHRA W/O LATE. JGDISH PRASAD MISHRA, Relationship Name 7. PRABHAT MISHRA S/O LATE. JAGDISH PRASAD MISHRA, 8. RAJENDRA KUMAR MISHRA S/O LATE. JAG|DISH PRASAD MISHRA, 9. SAMEER MISHRA S/O LATE. BADRI PRASAD MISHRA, 10 NISHA MISHRA W/O LATE. DURGESH MISHRA**पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **सीमा शुक्ला** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति नीलकांत शुक्ला** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, पंजीकृत बंटवारानामा आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./32416/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 23-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32416
वार्ड का नाम-44-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR739E0124G** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. ASHA DIXIT W/O VYAS NARAYAN DIXIT, 2. SARITA MISHRA W/O LATE. DEEPAK MISHRA, 3. SHAIL SHUKLA W/O RATNESH SHUKLA, 4. SEEMA SHUKLA W/O LATE. NEELKANT SHUKLA, 5. KAMLESH MISHRA S/O LATE. JAGDISH PRASAD MISHRA, 6. SADHNA MISHRA W/O LATE. JGDISH PRASAD MISHRA, Relationship Name 7. PRABHAT MISHRA S/O LATE. JAGDISH PRASAD MISHRA, 8. RAJENDRA KUMAR MISHRA S/O LATE. JAG|DISH PRASAD MISHRA, 9. SAMEER MISHRA S/O LATE. BADRI PRASAD MISHRA, 10 NISHA MISHRA W/O LATE. DURGESH MISHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **समीर मिश्रा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता - स्व. बद्री प्रसाद मिश्रा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, पंजीकृत बंटवारानामा आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./32417/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 23-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32417
वार्ड का नाम-44-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR739E0124H** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. ASHA DIXIT W/O VYAS NARAYAN DIXIT, 2. SARITA MISHRA W/O LATE. DEEPAK MISHRA, 3. SHAIL SHUKLA W/O RATNESH SHUKLA, 4. SEEMA SHUKLA W/O LATE. NEELKANT SHUKLA, 5. KAMLESH MISHRA S/O LATE. JAGDISH PRASAD MISHRA, 6. SADHNA MISHRA W/O LATE. JGDISH PRASAD MISHRA, Relationship Name 7. PRABHAT MISHRA S/O LATE. JAGDISH PRASAD MISHRA, 8. RAJENDRA KUMAR MISHRA S/O LATE. JAG|DISH PRASAD MISHRA, 9. SAMEER MISHRA S/O LATE. BADRI PRASAD MISHRA, 10 NISHA MISHRA W/O LATE. DURGESH MISHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **शैल शुक्ला** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति - रत्नेश शुक्ला** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, पंजीकृत बंटवारानामा आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./32520/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 23-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32520
वार्ड का नाम-60 चंद्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR652H00269** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **VIMALA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NILAMBAR SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **HUSANA BANO** पिता/पति श्री/श्रीमती **SHAFIK AHMAD** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./32519/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 23-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32519
वार्ड का नाम-60 चंद्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652F01468** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **AMIT MAKHIJA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MURLIDHAR MAKHIJA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MINA SAHU** पिता/पति श्री/श्रीमती **TARASHANKAR SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./32521/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 23-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32521
वार्ड का नाम-60 चंद्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652H00220** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **GOPIKA DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MAHESH DEWANGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MUMTAJ ASHRAFI** पिता/पति श्री/श्रीमती **HANIF KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कालोनी **गुढियारी रायपुर** में निर्मित जनता योजना में से **भवन क्र. - जनता 156, श्री बी.सी. सिन्हा पिता श्री जुगल किशोर प्रसाद** को भाड़ाक्रय आधार पर आबंटित किया गया है। उनके द्वारा **दिनांक 28.07.1994** को विक्रय विलेख पंजीकृत करा लिया गया है।

मूल आबंटी की मृत्यु **दिनांक 07.04.2015** एवं उनकी पत्नि की मृत्यु **दिनांक 10.09.2021** को हो जाने के कारण इनके वारिस (पुत्री) **श्रीमती दीपिमा वर्मा पति श्री मंतोष कुमार सिन्हा** द्वारा उक्त भवन अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, वारिसों **(1. श्रीमती ज्योतिमा श्रीवास्तव 2. श्रीमती अनिमा श्रीवास्तव 3. नीलिमा चौधरी तीनों के पिता स्व. श्री विमल चंद्र सिन्हा)** की सहमति पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन **श्रीमती दीपिमा वर्मा पति श्री मंतोष कुमार सिन्हा** के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय / वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर स्वतः उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी, एवं भवन का नामांतरण आदेश जारी कर दिया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा **कालोनी कबीर निर्मित एच. डी. डी. - I** योजना में से भवन/भूखण्ड **क्र. एच. डी. डी. - I/281, श्री संकल्प शर्मा पिता श्री रमेश शर्मा आम मुख्तियार आई. सी. आई. बैक लिमिटेड शाखा शाखा रायपुर के तरफ से** स्ववित्तीय/ एकमुश्त/बैंक ऑफर आधार पर आवंटित नामांतरित किया गया है। उनके द्वारा दि. 1-12-17 को लीजडीड/सेलडीड/विक्रय विलेख पंजीकृत करा लिया गया है। मूल आबंटी द्वारा उक्त भवन **श्रीमति पारुल गोयल पति श्री दीपक गोयल** के पक्ष में **दिनांक 7.10. 25** को विक्रय कर दिया।

तदुरुपरांत क्रेता द्वारा उक्त भवन / भूखण्ड अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति, सहमति पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन / भूखण्ड **क्रेता श्रीमति पारुल गोयल पति श्री दीपक गोयल** के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय/वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर स्वतः उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी, एवं भवन का नामांतरण आदेश जारी कर दिया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./32449/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 23-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32449
वार्ड का नाम- 17 ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107G00070** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANOJ YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HARILAL YADAV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **01. ROOPA YADAV 02. NANDINI YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **01. W/O LATE. KULDEEP YADAV 02. W/O KAILASH PRASAD YADAV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /32332/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 19-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32332
वार्ड का नाम- 09 - पं. मोती लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 09 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227V00449** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AASHANA SHADIJA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NARESH LALWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **राम नागदेव** पिता/पति, श्री/श्रीमती **रमेश कुमार नागदेव** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./32370/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 22-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32370
वार्ड का नाम- 18 बाल गंगाधर तिलक वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 18 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR110C0068A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHIBESH KUMAR BANERJI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHANKAR PRASAD BANERJI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DEEPA VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O VINOD VERMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./32363/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 22-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32363
वार्ड का नाम- 17 ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107A0485A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NARAVA DILEEP KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NARAVA VENKAT RAMANA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DEBARACHAN KARUAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O UDAY KARUAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./31331/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 22-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 31331
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446S00632** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **TUNDILAL N GAUTAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE NANHUJI GAUTAM** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PARMJEET SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VIJENDRA SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./32184/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 22-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32184
वार्ड का नाम- 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 61 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR663J00043** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **JARINA KHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE LAL KHAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **विनोद कुमार भट्ट** पिता/पति श्री/श्रीमती **संत सेवक भट्ट** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा** / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

PUBLIC NOTICE

U/S 72 of Indian Partnership Act, 1932

Be it known to all that the registered office /business address of the partnership firm M/s Mukesh Builder, bearing firm **registration no. 222202313249 dated 24.04.2023 of 2025**, has been changed from: Infront of **Colours Mall, Pachpedi Naka, Dhamtari Road, Raipur (C.G.),492001 to L-17 H.N. 2038, Vidhan Sabha Road, Amaseoni, Swarnbhoomi Phase 2, VTC: Amaseoni, PO: G.S.I, Sub District: Raipur, District: Raipur, State: Chhattisgarh , 493111.** The said change in address has been made with effect from 02st April, 2025. All concerned persons, customers, authorities and institutions are hereby informed to take note of the above change according.

For, M/s MUKESH BUILDER

Raipur (C.G.)
Date: 22.06.2026
(Kanhaiya Agrawal)
Partner

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./31273/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 15-05-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 31273
वार्ड का नाम-34-पं. रविशंकर शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 34 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR224D0101B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHAHNAZ BEGUM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SULEMAN KHAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **सज्जाद खान** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. सुलेमान खान** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, पंजीकृत बंटावारानामा, आधार कार्ड व व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
1st call

NIT NO: 111/PWD/Zone-9/2026 RAIPUR DATED: 23/06/2026

Online bids are invited for the following works of works up to Date 14/07/2026 at 17:30 hours.

Sr. No	System Tender No.	Name of Work	Amount of the Estimate	Earnest Money Deposit	Eligible class of contractor /firm	Time allowed for Completion	SOR Applicable
01	193997	राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि (SDMF) से जोन क्रमांक 09 अंतर्गत राहत शिविर भवन निर्माण कार्य सतनामी पारा कचना।	1500000/-	11250/-	Class-D & above	06 माह वर्षाऋतु छोड़कर	लोक निर्माण विभाग के भवन एस.ओ.आर. 01 01.2015 से प्रभावशील एवं निविदा दिनांक तक संशोधित

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal **https://eproc.cgstate.gov.in** from 23/06/2026 17.30 Hours (IST) on wards. For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: -
1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in
3. कार्य के लिए निविदा शुल्क रु. 750/- देय होगा तथा वापसी अयोग्य होगी।

Zone Commissioner
ZONE-9
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

अंधे कत्ल का खुलासा कर थाना रामानुजनगर पुलिस ने 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार

तिवरागुड़ी-सरनापारा में बोरी में मिली थी अज्ञात व्यक्ति की लाश

सूरजपुर ब्यूरो दैनिक विश्व परिवार) 12 जून को सूचना देने वाले राम निवासी ग्राम तिवरागुडी ने थाना रामानुजनगर में सूचना दिया कि ग्राम तिवरागुडी सरनापारा में किसी अज्ञात व्यक्ति का शव बोरी में भरकर फेंका गया है। सूचना पर पुलिस फौरन ग्राम तिवरागुडी सरनापारा पहुंच कर मर्ग पंचनामा कार्यवाही किया। अज्ञात मृतक पुरुष उम्र करीब 30-35 वर्ष जिसके हाथ में कडा व शरीर पर काला टी शर्ट एवं काला लोवर पहना, सिर में धारदार हथियार से मारने का चोट का निशान है, जिसे किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा हत्या कर शव को फेंका गया है। मर्ग कायमी उपरांत अपराध क्रमांक 179/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने अज्ञात मृतक की पहचान करते हुए आरोपी की पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। थाना रामानुजनगर पुलिस के द्वारा विवेचना के दौरान अज्ञात मृतक की शिनाख्ती व आरोपी पतासाती हेतु सोशल मिडिया का सहारा लिया जिसके माध्यम से अज्ञात मृतक की शिनाख्ती ग्राम चिरमी परसापानी चौकी बचरा पोडी थाना बैकुण्ठपुर जिला कोरिया निवासी शिवप्रसाद के तौर पर हुई जिसकी बाद पुलिस उसके घर पहुंची।

मृतक के घर/कमरा में जगह जगह पर खून के धब्बे दिखाई दे रहे है, जिस पर मृतक के लडका अमृत लाल को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर बताया कि दिनांक 10.06.2026 को पिता शिवप्रसाद सिंह, चाचा देवकुमार एवं बाबा रमेश के साथ बैकुण्ठपुर पेशी गये थे, जहां से दोपहर में वापस घर आकर मेरी मां बीरा बाई से झगडा विवाद मारपीट कर रहे थे। जब बकरी चरा कर यह घर आया तो माॅ बताई कि तेरे पिता मेरे साथ झगडा विवाद मारपीट कर रहा था। तब इसे गुस्सा आया कि बार बार मां को मारपीट करता है और परेशान करके रखा है। गुस्से में अपने पिता को मारने का प्लान बनाया। पिता रात को करीब 7 बजे अपने कमरे में आकर सो रहे थे और किसी से फोन से बात कर रहे थे और रात में अपने कमरे मे सोउंगा बोलकर बात किए तब यह एक टांगी को लाकर रखा और अपने पिता का सोने का इंतजार करने लगा, पिता जब गहरे नींद में थे उसी दौरान लोढ़ा, टांगी से प्रहार कर उसकी हत्या कर दिया और उनके मोबाईल को बंद कर सीम निकाल कर रख लिया। सुबह अपनी मां को घटना के बारे में बताया, जिसके बाद दिनांक 11.06.2026 को सुबह अपने मौसा हरवंश सिंह को फोन कर घटना के बारे में बताया तब वह बोले कि रात होने पर आउंगा, उसके बाद लाश को हमारे घर तरफ तिवरागुडी में एक बडा बांध है उसमे फेंक देगें, तो किसी को पता नही चलेगा। मौसा रात में घर आये, मौसा का गाड़ी खराब होने के कारण मैं अपने पडोसी का मोटर सायकल को झूठ बोलकर मांगा, यह और मौसा रात्रि में लाश को बोरी में भरकर रस्सी से बांध कर मोटर सायकल में लोड कर अपने घर से कुडेली होते तिवरागुडी के लिये निकले, गाडी को मौसा चला रहे थे कि रास्ते में झरनापारा तरफ रोड पुरा कीचड कीचड था, जिसमें मोटर सायकल फंस गया जाने पर अपने दोस्त कौशल उईके को फोन करके बुलाया कि धान बीज लेकर मेरे मौसा हरवंश के साथ जा रहे थे कि झरनापारा में हमारा गाडी खराब हो गया है, बोलने पर कौशल अपना मोटर सायकल लेकर वहां पहुंचा जिसे पिता को मारने एवं मोटर सायकल खराब होने के बारे में बताया लाश को फेंकने में सहयोग हेतु बोलने पर वह तैयार हो गया। कौशल मोटर सायकल चला रहा था उसके पीछ यह बैठा था इसके पीछे मौसा लाश को पकड़कर बैठकर तिवरागुड़ी पहुंचे और जहां बांध तरफ टार्च जलने का रौशनी देखकर डर से पिवरी बांध रोड में तिवरागुडी डांड में लाश को फेंककर चले गए। माॅ पिता के कमरे में जमीन में गिरे खून को गोबर से पोताई की है। मामले में दबिश देकर आरोपी हरवंश सिंह, कौशल व बीरा बाई को पकड़ा गया जिनके द्वारा भी जुर्म स्वीकार किया गया है। आरोपी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लोढ़ा, टांगी, मृतक का मोबाईल, परिवहन में प्रयुक्त 3 मोटर सायकल जप्त कर आरोपी (1) अमृत लाल पिता स्व. शिव प्रसाद उम्र 18 वर्ष 29 दिन निवासी ग्राम चिरमी परसापानी चौकी बचरापोडी थाना बैकुण्ठपुर (2) हरवंष सिंह पिता जयनाथ सिंह उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम तिवरागुडी पण्डरीपानी थाना रामानुजनगर (3) कौषल सिंह उईके पिता मनबोध उईके उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम जटासेमर महुआपारा थाना बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (4) बीरा बाई पति स्व. शिव प्रसाद उम्र 37 वर्ष निवासी ग्राम चिरमी परसापानी चौकी बचरा पोडी थाना बैकुण्ठपुर जिला कोरिया को गिरफ्तार किया है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन व एसडीओपी प्रेमनगर बेनार्ड कुजूर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रामानुजनगर राजेन्द्र साहू, एएसआई बिशुनदेव पैकरा, प्रधान आरक्षक हेमंत सोनवानी, हितेश्वर राजवाडे, आरक्षक दीपक यादव, परदेशी चंद्रा, युवराज यादव सक्रिय रहे।

राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान 2026 का होगा आयोजन, 28 जून को पिलाई जाएगी पोलियो की दवा

जिले के 1.04 लाख से अधिक बच्चों को दी जाएगी पोलियो की खुराक, 744 बूथों पर 900 टीमें तैनात

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) -जिले में राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान 2026 का आयोजन 28 जून 2026 को किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत 28 जून को बूथ स्तर पर तथा 29 एवं 30 जून 2026 को घर-घर जाकर शून्य से पाँच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। जिले में इस अभियान के तहत लगभग 1,04,627 (एक लाख चार हजार छः सौ सत्ताईस) बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाएगी। इस कार्य हेतु जिले में 744 पोलियो बूथों पर 900 टीमें तथा 2,430 कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं, जिनके द्वारा निर्धारित स्थानों यथा पोलियो बूथ, रेलवे स्टेशन, हाट बाजार, बस स्टैंड आदि स्थलों पर बच्चों को 'दो बूँद जिंदगी की' पिलाई जाएगी।

इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने जिले के समस्त अभिभावकों एवं नागरिकों से अपील की है कि वे अपने शून्य से पाँच वर्ष तक के बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर ले जाकर अनिवार्य रूप से पोलियो की दवा अवश्य पिलाएं। उन्होंने कहा कि एक भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे, यही इस अभियान की वास्तविक सफलता है। उन्होंने नागरिकों से अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाते हुए अपने बच्चों के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य की दिशा में सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया है।

भारत रत्न डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी का बलिदान दिवस पर नगर पंचायत शिवनंदनपुर में दो गई श्रद्धांजलि

सूरजपुर ब्यूरो)दैनिक विश्व परिवार)-नगर पंचायत शिवनंदनपुर में नवनिर्वाचित नगर पंचायत अध्यक्ष रितेश जायसवाल के मुख्य अतिथि में वार्ड पार्षदो ने भारत रत्न पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की बलिदान दिवस पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित की।

इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष रितेश जयसवाल ने कहा कि पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी जनसंघ के संस्थापक सदस्य थे और राष्ट्रवादी जन नायक लोक नायक एवं भारत माता के अच्छे पुत्रों में से थे। रितेश जायसवाल ने आगे कहां की जहां हुए बलिदान मुखर्जी वहां कश्मीर हमारा है भारतीय जनता पार्टी ने पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के सपनों को साकार किया है मुखर्जी जी ने यह ऐलान किया था एक देश में दो निशान दो विधान नहीं सहेगा हिन्दुस्तान ।इन्होंने भारत से एक हुआ कश्मीर को में धारा 370 हटाने की संकल्प लिया। भारतीय जनता पार्टी ने इस संकल्प को पूरा किया ।आज भारतीय वासी निर्भीक होकर जम्मू कश्मीर में खुले आकाश के नीचे सांस ले रहे है। पर्यटन सुविधा बढ़ गई आतंकवाद की सफाई हो गई है पूरा भारतवर्ष पंडित मुखर्जी जी के बलिदान को नहीं भूल पाया है और न भविष्य में भूलेगा इस अवसर पर नगर पंचायत के सभी वार्ड पार्षद एवं नागरिक उपस्थित थे जिन्होंने पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धा सुमन अर्पित की।

सांताक्रूज स्थित 'द योगा इंस्टीट्यूट' ने 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का जश्न देशभर में मनाया

मुंबई। दुनिया का सबसे पुराना संगठित योग केंद्र और पिछले 107 वर्षों से समग्र स्वास्थ्य शिक्षा की अगुवाई करने वाले मुंबई के सांताक्रूज स्थित द योगा इंस्टीट्यूट (टीवाईआई) ने 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) को बड़े पैमाने और पूरे जोशो-खरोश के साथ मनाया। इस वर्ष की थीम 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' के अनुरूप, इस इंस्टीट्यूट ने सरकारी संस्थानों, रक्षा प्रतिष्ठानों, कॉरपोरेट दफ्तरों, शैक्षणिक परिसरों, हवाई अड्डों और वैश्विक डिजिटल मंचों के जरिए सैकड़ों कार्यक्रमों आयोजित कर लाखों लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की। मुंबई से चेन्नई, जयपुर से भुवनेश्वर तक आयोजित इन कार्यक्रमों ने हर उम्र और हर पेशे के लोगों के बीच स्वस्थ वृद्धावस्था का पैगाम पहुंचाया। साथ ही, स्वास्थ्य की देखभाल, मानसिक मजबूती और जागरूक जीवनशैली में योग की अहम भूमिका को भी उजागर किया। इस मौके पर डॉ. हंसाजी योगेंद्र ने कहा, बुढ़ापा जीवन की एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन शारीरिक और मानसिक गिरावट लाज़िमी नहीं है। योग के माध्यम से हम शरीर की ताकत, मन की स्पष्टता, भावनाओं का संतुलन और दिल की खुशी को बरकरार रख सकते हैं। स्वस्थ वृद्धावस्था का मतलब सिर्फ जीवन के वर्षों में इज़ाफ़ा करना नहीं, बल्कि हर साल में ऊर्जा, आत्मनिर्भरता और मकसद को शामिल करना है। 10 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंच बनाने, एक लाख से अधिक प्रमाणित योग शिक्षकों को प्रशिक्षित करने तथा योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार प्राप्त करने वाला द योगा इंस्टीट्यूट आज भी दुनिया भर में प्रामाणिक योग शिक्षा को बढ़ावा देते हुए लोगों को अधिक स्वस्थ और सार्थक जीवन जीने के लिए प्रेरित कर रहा है।

पीएम आवास योजना ग्रामीण का नया अध्याय कल की ग्राम सभा में होगा तैयार

सूरजपुर ब्यूरो दैनिक विश्व परिवार) कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन में जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत जिले में अब तक 72,000 से अधिक परिवारों को आवास उपलब्ध कराए जा चुके हैं। आगामी चरण की महत्वपूर्ण कार्यवाही हेतु कल आयोजित होने वाली ग्राम सभा अत्यंत निर्णायक सिद्ध होगी, जिसमें स्थाई प्रतीक्षा सूची तैयार करने का कार्य किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीएम आवास की स्वीकृतियां अब तक सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना 2011 एवं आवास प्लस 2018 की सूची से तैयार स्थाई प्रतीक्षा सूची के अनुसार प्राथमिकता के आधार पर की जाती रही हैं। वर्तमान में उक्त दोनों सूचियों से शत-प्रतिशत स्वीकृति की जा चुकी है। अतः आगामी स्वीकृतियां आवास प्लस 2.0 के माध्यम से सर्वेक्षित परिवारों के आधार पर की जाएंगी। इन सर्वेक्षित परिवारों में से स्थाई प्रतीक्षा सूची तैयार करने का कार्य कल की ग्राम सभा में किया जाएगा। जिले में कुल 1,40,079 परिवारों का सर्वेक्षण किया गया है।

ग्राम सभा में होगा सूची का वाचन एवं प्राथमिकता निर्धारणः- भारत सरकार द्वारा पोर्टल पर उपलब्ध सूची की एक प्रति संबंधित ग्राम पंचायत सचिवों को ग्राम सभा में वाचन एवं नियमानुसार कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा चुकी है। ग्राम सभा में सभी नामों के वाचन के साथ-साथ मुख्य रूप से अपात्र परिवारों को सूची से पृथक करने तथा जरूरतमंद परिवारों को सही क्रम में प्राथमिकता निर्धारित करने का कार्य भारत सरकार के नवीन एसओपी (एसओपी) के अनुसार किया जाएगा। ग्राम सभा के अंतिम निर्णय, प्रस्ताव एवं अनुमोदन उपरांत यह सूची आवास सॉफ्ट पोर्टल पर सार्वजनिक की जाएगी।

अवैध खनिज परिवहन पर एक सप्ताह में आठ वाहन जब्त वाहन मालिकों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- सूरजपुर जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण में संलिप्त तत्वों के विरूद्ध अब निरंतर एवं कठोर कार्रवाई की जा रही है। खनिज अमला सूरजपुर तथा जिला स्तरीय टास्कफोर्स द्वारा खनिजों के अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण से प्रभावित क्षेत्रों में सघन जाँच अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी अभियान के तहत बीते कुछ दिनों में कुल 08 वाहनों को अवैध परिवहन करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 जून 2026 को खनिज अमला सूरजपुर द्वारा तहसील प्रतापपुर के थाना खडगवाँ क्षेत्र में खनिज वाहनों की जाँच के दौरान खडगवाँ मुख्य मार्ग पर खनिज रेत से भरी 01 टीपर तथा बिश्रामपुर क्षेत्र में 02 वाहनों को अवैध परिवहन करते पाया गया। इसी क्रम में आज 22 जून 2026 को खडगवाँ क्षेत्र में 01 वाहन तथा ग्राम रूनियाडीह एवं आसपास के क्षेत्रों में बिना वैध अभिवहन पास के परिवहन कर रहे 04 ट्रैक्टरों को जाँच दल द्वारा रोककर जब्त किया गया।

सभी वाहनों पर प्रकरण दर्ज, थानों में सुरक्षार्थ रखे गएः- जाँच के दौरान पकड़े गए कुल 08 वाहनों पर नियमानुसार अवैध परिवहन का प्रकरण दर्ज करते हुए संबंधित वाहन मालिकों के विरूद्ध विधिवत कार्रवाई की गई है। जब्त वाहनों में से 04 वाहन पुलिस थाना सूरजपुर, 03 वाहन थाना बिश्रामपुर तथा 01 वाहन थाना खडगवाँ में सुरक्षार्थ रखे गए हैं।

खनिज विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि खनिज अमला एवं जिला स्तरीय टास्कफोर्स द्वारा प्रभावित क्षेत्रों की निरंतर निगरानी की जा रही है। अवैध उत्खनन, परिवहन अथवा भण्डारण की गतिविधियों में लिप्त पाए जाने पर किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा और भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई सतत रूप से जारी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

शानदार परफॉर्मेंस और दमदार मजबूती के लिए तैयार गैलेक्सी M47 5G, 29 जून को भारत में होगा लॉन्च

गुरुग्रामः सैमसंग इंडिया 29 जून को अपने लोकप्रिय गैलेक्सी रू सीरीज पोर्टफोलियो में नया गैलेक्सी M47 5G लॉन्च करने जा रहा है। युवा उपयोगकर्ताओं को ध्यान में रखकर तैयार यह स्मार्टफोन अपनी श्रेणी में सबसे अग्रणी फीचर्स लेकर आएगा, जो इसे गेमिंग, मनोरंजन, कंटेंट देखने, मल्टीटास्किंग और रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए उपयुक्त बनाते हैं। गैलेक्सी M47 5G में स्नैपड्रैगन 6 ज़ेन 3 प्रोसेसर दिया गया है, जिसे 4nm आर्किटेक्चर पर बनाया गया है। LPDDR5X RAM के साथ मिलकर यह डिवाइस तेज और सहज प्रदर्शन देती है, जिसमें रुकावट कम होती है और काम जल्दी पूरे होते हैं। यह मेमोरी खपत कम करके पावर एफिशिएंसी भी बेहतर करता है। इस स्मार्टफोन में कॉर्निंग® गोरिल्ला® ग्लास विक्टस®)+ की सुरक्षा दी गई है, जो खरोंचों से चार गुना बेहतर बचाव और 2 मीटर तक की ऊंचाई से गिरने की क्षमता प्रदान करता है, जिससे इसकी मजबूती और बढ़ती है। गैलेक्सी M47 5G में 6000mAh की बैटरी दी गई है, जो एक बार चार्ज करने पर लंबे समय तक इस्तेमाल के लिए बनाई गई है। इसमें 45W फास्ट चार्जिंग का भी समर्थन है, जिससे उपयोगकर्ताओं को चार्जर से कम समय तक जुड़े रहना पड़ेगा। गेमिंग के शौकीनों के लिए गैलेक्सी M47 5G में बायपास चार्जिंग फीचर दिया गया है, जो गेम खेलते समय डिवाइस को सीधे एडॉप्टर से पावर देता है। इससे गर्मी कम पैदा होती है और परफॉर्मेंस थ्रॉटलिंग कम होती है, जिससे गेमिंग बिना रुकावट जारी रहती है। स्मार्टफोन में 6.7 इंच की FHD+ सुपर एमोलेड डिस्प्ले दी गई है, जो कंटेंट देखने का गहन और आकर्षक अनुभव देती है। 120H5 रिफ्रेश रेट और तेज टच रिस्पॉन्स के साथ यह ऐप्स, वीडियो और गेम्स में स्मूद स्क्रॉलिंग और सहज व्यूइंग अनुभव प्रदान करता है। कैमरे की बात करें तो गैलेक्सी M47 5G में 50MP ओआईएस ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप और 12MP एचडीआर फ्रंट कैमरा दिया गया है। रियर कैमरे में मौजूद ऑप्टिकल इमेज स्टेबलाइजेशन (ओआईएस) हाथ के हिलने या अचानक झटकों से होने वाली धुंधलाहट को कम करके उच्च-रिज़ॉल्यूशन तस्वीरें और स्थिर वीडियो लेने में मदद करता है। एचडीआर फ्रंट कैमरा तेज धूप या बैकलिट जैसे चुनौतीपूर्ण रोशनी वाले माहौल में भी शानदार और जीवंत सेल्फी देता है।

डेल्हिवरी ने फ्रंटलाईन वर्कर्स के लिए भारत का सबसे विस्तृत वैलफेयर प्रोग्राम 'अभयम' शुरू किया

बैंगलुरूः डेल्हिवरी ने देश में अपनी लगभग 1 लाख फ्रंटलाईन वर्कफोर्स के सदस्यों के लिए डेल्हिवरी का सबसे विस्तृत बेनेफिट प्रोग्राम अभयम शुरू किया है। यह प्रोग्राम इन-फेसिलिटी एसोसिएट्स और लास्ट-माईल राईडर्स के लिए है। यह प्रोग्राम कंपनी की 15वीं वर्षगाँठ के अवसर पर 22 जून, 2026 को शुरू किया गया था। अभयम के अंतर्गत 15 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा, फैमिली हैल्थ कवर, बच्चों की स्कॉलरशिप और करियर के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

प्रोटेक्शन : 15 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा, 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा, हॉस्पिटल में भर्ती होने पर आय की सुरक्षा और दवाईयों पर छूट।

सिक्योरिटी : पत्नी और 2 बच्चों के लिए हैल्थ कवर, व्यक्तिगत लोन, स्कूल के लिए स्कॉलरशिप और पत्नी एवं बेटियों के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षण की आसान उपलब्धता।

डेवलपमेंट : एनपीएस स्कीम की उपलब्धता, उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय सहयोग, और वित्तीय मजबूती के लिए कमाए गए वेतन की आसान उपलब्धता।

डेल्हिवरी के एक्ज़ीक्यूटिव डायरेक्टर एवं चीफ एचआर ऑफिसर, सूरज सहारन ने कहा, ''हमारे फ्रंटलाईन वर्कर्स ने पिछले 15 सालों में 5 बिलियन से अधिक शिपमेंट पहुँचाए हैं। हमने उन्हें अपनी इस सेवा के लिए पुरस्कृत करने के लिए अभयम की शुरुआत की है। हमारा मानना है कि यह भारत में सबसे अच्छा प्रोग्राम है। यह हमारे कर्मचारियों को सबसे बेहतर सेवा प्रदान करने में समर्थ बनाएगा। साथ ही, इसकी मदद से उनके स्वास्थ्य एवं परिवार को भी सुरक्षा मिलेगी।'' फ्रंटलाईन वर्कर भारत की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इसके बाद भी वो सबसे अधिक वित्तीय जोखिमों के अधीन रहते हैं क्योंकि एक बार हॉस्पिटल में भर्ती होने पर उनकी महीनों की कमाई चली जाती है। अभयम विस्तृत सपोर्ट फ्रेमवर्क की मदद से इस ोखिम को दूर कर रहा है। यह उन्हें दुर्घटना का कवरेज, स्वास्थ्य बीमा और आय की सुरक्षा प्रदान कर रहा है, ताकि सड़क पर कोई भी अप्रत्याशित दुर्घटना होने पर वो वित्तीय संकट में न आएं। यह प्रोग्राम सुरक्षा प्रदान करने के अलावा परिवारों के लिए बेनेफिट्स भी पेश कर रहा है। परिवार की सुरक्षा फ्रंटलाईन वर्कर की सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

संपादकीय

बढ़ती आर्थिक चुनौतियां

वित्त मंत्रालय के मुताबिक तीन कारणों से दुनिया नया आकार ले रही हैः महाशक्तियों में प्रतिस्पर्धा, पश्चिमी गठबंधन में दरार, और मैनुफैक्चरिंग में चीन का वर्चत्व। इसके अनुरूप ढलने के लिए भारत के पास बहुत कम वक्त है। बढ़ती आर्थिक चुनौतियों के बीच वैश्विक आपूर्ति शृंखला में आए बदलावों से तालमेल बनाने के लिए भारत के पास एक बहुत छोटी खिड़की मौजूद है। यह बात केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने स्थायी संसदीय समिति के सामने कही। बताया गया कि चीन ने अपने नए कानून के तहत वहां स्थित आपूर्ति शृंखला को बाधित कर दिया है। वहां से अपने कारखाने हटाने वाली कंपनियों को वह दंडित कर रहा है। इससे भारत में मैनुफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए अपनाई गई नीति के सामने मुश्किलें खड़ी हुई हैं। वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस समय ये तीन परिघटनाएं दुनिया को नया आकार दे रही हैः बड़ी ताकतों में प्रतिस्पर्धा, पश्चिमी गठबंधन में दरार, और मैनुफैक्चरिंग में चीन का प्रभुत्व। मंत्रालय ने कहा कि इन परिवर्तनों पर भारत को अधिक फुर्तीला और रणनीतिक प्रतिक्रिया दिखानी होगी। ऐसा करने के लिए देश के पास 'बहुत छोटा अवसर' है। मंत्रालय ने कहा कि महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा के तहत व्यापार, तकनीक, और वित्त का उपयोग सामान्य लाभ उठाने के बजाय रणनीतिक हितों के मुताबिक किया जा रहा है। इसी क्रम में चीन ने अपने यहां से कारखाना, तकनीक, या विशेषज्ञों को दूसरे देशों में- खासकर भारत ले जाने की राह में कानूनी रुकावट खड़ी कर दी है। भारत में साझा उद्यम या देशी निवेश के तहत लगाए जा रहे कारखानों की इन मामलों में चीन पर निर्भरता रही है। स्पष्टतः ये दोनों परिघटनाएं भारत के लिए चुनौती बनकर आई हैं। हालांकि यूरोप और अमेरिका के बीच पड़ती दरार को वित्त मंत्रालय ने भारत के लिए अवसर के रूप में देखा है, मगर इसका लाभ उठाने के लिए तुरंत खुद को तैयार करने की चुनौती उसके सामने है। मंत्रालय ने माना कि इसके लिए ज्यादा वक्त नहीं है। कहा जा सकता है कि वित्त मंत्रालय को बदल रही दुनिया का सही अहसास है। मगर, नई परिस्थितियों के मुताबिक नजरिए एवं नीतियों में जिस तरह के आमूल परिवर्तन की जरूरत है, उसकी समझ का संकेत उसने नहीं दिया है।

नया भारत संदेह से भरोसे की ओर और डर से आजादी की ओर बढ़ रहा है...

श्री पीयूष गोयल/ लेखक केन्द्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं

दशकों तक, भारत की नियामक प्रणाली नागरिकों को गहरे अविश्वास की नज़र से देखती थी। नागरिकों को मामूली, प्रक्रियात्मक गलतियों या किसी अधिकारी के केवल शक के आधार पर अपराधी मान लिया जाता था। एक सुखद बदलाव के तौर पर, मोदी सरकार ने आम आदमी के लिए भरोसे और सहानुभूति पर आधारित नीतियां बनाई हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों और व्यवसायों का समर्थन करने, अनुपालन को सरल बनाने और व्यवसायों के सामने आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों को स्वीकार करते हुए भारत के कानूनी परिदृश्य में सुधार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। चाहे अनुपालन बोझ कम करना हो, डिजिटलीकरण हो, या एकल-खिड़की मंजूरी हो, कुल मिलाकर बदलाव का मकसद शासन को अधिक तर्कसंगत और कुशल बनाना रहा है। प्रधानमंत्री का विश्वास और सहानुभूति पर आधारित शासन का मंत्र स्पष्ट रूप से जन विश्वास अधिनियम, 2026 और 2023 के इसी तरह के एक कानून में दिखाई देता है। नागरिक-अनुकूल - एक नागरिक-अनुकूल नियामक वातावरण बनाने और अनुपालन को प्रोत्साहित करने के लिए, नया कानून मामूली अपराधों से निपटने के लिए स्पष्ट सिद्धांत अपनाता है: दंड से पहले चेतावनी देना, अपराध की गंभीरता के अनुसार जुर्माना तय करना, त्वरित और पारदर्शी समाधान और जुर्माने का एक गतिशील ढांचा, जिसमें समय-समय पर संशोधन होता हो, ताकि नियम लागू करने का तरीका प्रभावी, प्रासंगिक और समय के साथ उत्तरदायी बना रहे। यह नियामक दृष्टिकोण, अनुपालन और लागू करने के तरीके में एक बड़ा बदलाव है, जो प्रधानमंत्री के इस दृष्टिकोण के अनुरूप है कि भारत की 21वीं सदी की आकांक्षाएँ औपनिवेशिक शासन के पुराने तरीकों के माध्यम से पूरी नहीं हो सकतीं।इस सुधार का पैमाना अभूतपूर्व है। जन विश्वास अधिनियम 23 मंत्रालयों के 79 केंद्रीय कानूनों से जुड़े 784 प्रावधानों को संशोधित करता है। यह लोगों के जीवन को आसान बनाने के लिए 717 प्रावधानों को अपराधमुक्त करता है और 67 प्रावधानों को तर्कसंगत बनाता है। यह स्वतंत्र भारत के विधायी इतिहास में सबसे बड़ी अपराधमुक्ति पहल है। यह 1,000 से अधिक अपराधों को तर्कसंगत बनाता है, पुराने और अनावश्यक प्रावधानों को हटाता है, पुराने औपनिवेशिक काल के अप्रचलित अपराधों को ख़त्म करता है और आपराधिक न्यायालयों के बाहर निर्णय और अपील की व्यवस्था को मजबूत करता है। स्वागत योग्य बदलाव ङ्क पहले, किसी घर, इमारत या वाहन में सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच मौजूद होने पर किसी व्यक्ति को तीन महीने की जेल हो सकती थी, यदि वह 'संतोषजनक स्पष्टीकरण' नहीं दे पाया हो। यह औपनिवेशिक काल के शक पर आधारित दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसमें सामान्य आवाजाही को भी संभावित अपराध माना जाता था। यह सुधार इस अपराध को पूरी तरह समाप्त कर देता है और कानून को आधुनिक सिद्धांतों के अनुरूप बनाता है।पिछली व्यवस्था के तहत, यदि किसी व्यक्ति के ड्राइविंग लाइसेंस की समय-सीमा समाप्त हो गयी है, तो अगले ही दिन सड़क पर गाड़ी चलाने पर उस पर आपराधिक आरोप लग जाते थे। नए कानून में 30 दिन की छूट अवधि दी गई है।

एक छोटे निर्माता का उदाहरण लें, जो अप्रेंटिसशिप अधिनियम के तहत पंजीकरण का विवरण अद्यतन नहीं कर पाता है। पहले यह एक आपराधिक चूक थी, लेकिन अब केवल नियमों की बार-बार अवहेलना पर ही सख्त कार्रवाई की जा सकती है। इसी तरह, पहले किसी खनन कंपनी की दस्तावेजीकरण प्रक्रिया में हुई चूक के कारण जेल की सज़ा तक हो सकती थी। आज, ऐसे मामलों में सिर्फ जुर्माना लगता है। गैरकानूनी खनन, धोखाधड़ी, जानबूझकर नुकसान और सार्वजनिक हित के गंभीर उल्लंघनों के लिए आपराधिक जिम्मेदारी अभी भी मौजूद है; लेकिन कागज़ी कार्रवाई की कमियों के लिए नहीं। सभी के लिए 12 साल का लाभ ङ्क 'जन विश्वास' कानून, सभी नागरिकों के जीवन को आसान बनाने की पीएम मोदी के प्रयासों का प्रतीक है। प्रधानमंत्री के तौर पर देश-सेवा के 12 सालों में और उससे पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर, यह पीएम मोदी का प्रमुख मिशन रहा है।

जन विश्वास 2026 एक महत्वपूर्ण स्तंभ पर आधारित है। भारत ने 2023 में पहले जन विश्वास अधिनियम के माध्यम से 42 अधिनियमों के 183 प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया था। इस प्रयास ने दिखाया कि नियमों को लागू करने की प्रक्रिया को कमज़ोर किए बिना गैर-अपराधीकरण से शासन में सुधार किया जा सकता है। 2026 का कानून इस प्रक्रिया को लगभग चार गुना बढ़ा देता है, जो यह संकेत देता है कि यह कोई एक बार की पहल नहीं है, बल्कि सुधार की दिशा में लगातार चलने वाली पहल है। बड़ा मिशन - नया कानून असल में पीएम मोदी के उस बड़े मिशन का हिस्सा है, जिसके तहत भारतीयों के जीवन को बेहतर बनाने की कोशिश की जा रही है। इस मिशन में, पीएम ने हर नागरिक को रोटी, कपड़ा और मकान मुहैया कराने की कोशिश की है और यह सुनिश्चित किया है कि कल्याणकारी योजनाओं का पैसा सीधे लाभार्थियों तक पहुंचे। यह कांग्रेस के शासनकाल से बिलकुल अलग है, जब तत्कालीन पीएम राजीव गांधी ने कहा था कि कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च किए गए धन का सिर्फ़ 15त्न ही वास्तव में गरीबों तक पहुँचता है।

कम गंभीरता वाले आपराधिक प्रावधानों की जगह प्रशासनिक और मौद्रिक व्यवस्थाएँ लाना, न सिर्फ आम नागरिक के लिए स्वागतयोग्य कदम है, बल्कि यह छोटे व्यवसायों की भी मदद करता है। इससे लागू करने वाली एजेंसियां रोज़मर्रा की तकनीकी गलतियों के बजाय गंभीर उल्लंघनों पर ध्यान केंद्रित कर सकती हैं। अदालतें उन मामलों पर ध्यान दे सकती हैं, जिनमें सचमुच न्यायिक हस्तक्षेप की जरूरत है।

अर्थव्यवस्था और निवेश - इसके फायदे सिर्फ़ शासन तक ही सीमित नहीं हैं। तेज़ी से प्रतिस्पर्धी होती वैश्विक अर्थव्यवस्था में, नियमों की विश्वसनीयता मायने रखती है। वर्षों तक, तकनीकी चूक के लिए आपराधिक मुक़दमे के डर को निवेश के सबसे बड़े रुकावटों में से एक माना जाता था। भारत में 2014 से 2025 के बीच एफडीआई में 143 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और एफडीआई बढ़ने का यह रुझान जारी है। इस विकास में नियामक सुधार की महत्वपूर्ण भूमिका है। 'जन विश्वास 2026' का उद्देश्य भारत को निवेश और कारोबार के लिए ज़्यादा भरोसेमंद और अनुमान लगाने योग्य गंतव्य बनाकर इस रफ़्तार को और तेज करना है।

इस सुधार से न्याय प्रणाली को भी राहत मिलेगी। 5.5 करोड़ से ज़्यादा लंबित मामलों— जिनमें ज़िला और निचली अदालतों के लगभग 4.9 करोड़ मामले शामिल हैं— में से कई छोटे-मोटे नियमों के उल्लंघन से जुड़े हैं, जिन्हें अब अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया गया है। ऐसे मामलों को प्रशासनिक निर्णय के लिए भेजना सिर्फ़ एक कारोबारी सुधार नहीं है, बल्कि एक न्यायिक सुधार भी है; इससे अदालतों को अपने सीमित समय और संसाधनों को गंभीर विवादों और न्याय से जुड़े अहम सवालों पर केंद्रित करने का मौका मिलता है। गंभीर उल्लंघनों के लिए सख़्त कार्रवाई जारी रहेगी। जहाँ सख़्ती ज़रूरी है, वहाँ कानून पूरी तरह सख़्त बना रहेगा। बदलाव सिर्फ दृष्टिकोण में आया है। शासन अब संदेह से विश्वास, अभियोजन से सुधार और डर से स्वतंत्रता की ओर बढ़ रहा है।

आलेख

वेतन से आगे: विकसित भारत के लिए कुशल कार्यबल की तैयारी

डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम

कोयंबटूर में काम करने वाले युवा रवि को, जो एक छोटी विनिर्माण इकाई में अपनी पहली औपचारिक नौकरी के छह महीने पूरे कर चुके हैं और हाल ही में अपनी मासिक तनख्वाह के अलावा उन्हें बैंक खाते में 7,500 रुपये मिले। लगातार छह महीने की नौकरी पूरी होने के बाद यह रकम अपने आप जारी कर दी गई। इससे पहले उनका परिवार सिर्फ़ अनौपचारिक काम करता था, जिसमें कोई अनुबंध, भविष्य निधि में योगदान या नौकरी का कोई लिखित रिकॉर्ड नहीं होता था। यह पहला मौका था, जब उनकी नौकरी को आधिकारिक तौर पर दर्ज किया गया और उन्हें इस तरह का लाभ मिला। रवि को मिली यह धनराशि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोज़गार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के भाग ए के तहत मिली पहली किस्त है। इस योजना को केंद्रीय बजट 2024-25 में प्रधानमंत्री के रोज़गार और कौशल पैकेज के हिस्से के तौर पर शुरू किया गया था। इस प्रावधान के तहत, ईपीएफओ में पंजीकृत कंपनियों में पहली बार नौकरी पाने वाले ऐसे कर्मचारी, जिनकी मासिक कमाई 1 लाख रुपये से कम है, उन्हें 15,000 रुपये तक का नकद प्रोत्साहन मिलता है। यह रकम दो किस्तों में दी जाती है: पहली किस्त लगातार छह महीने की नौकरी के बाद और दूसरी किस्त बारह महीने के बाद। इसके लिए शर्त यह है कि कर्मचारी को ईपीएफओ पोर्टल के ज़रिए वित्तीय साक्षरता का कोर्स पूरा करना होगा और यह राशि बचत के एक साधन में जमा की जाएगी, ताकि कर्मचारी को एक आर्थिक सुरक्षा मिल सके। रवि के लिए, ये छह महीने सिर्फ़ योग्यता हासिल करने का समय नहीं थे। ये वो वक्त था, जिसमें उन्होंने अपने काम की जगह को समझा, अपने काम से जुड़ी बुनियादी कौशल और योग्यता सीखी और अपने लिए रोज़गार का एक रिकॉर्ड बनाना शुरू किया, जो पहले कभी नहीं था। यह समय उनके नियोक्ता के लिए भी अहम था, जो एक छोटी विनिर्माण इकाई थी और उसने अपने विस्तार के तहत रवि को काम पर रखा था। पीएम-वीबीआरवाई के भाग क्व में प्रावधान है कि जो नियोक्ता अपनी मौजूदा बेसलाइन से ज़्यादा रोज़गार पैदा करते हैं, उन्हें हर अतिरिक्त कर्मचारी के लिए हर महीने 3,000 रुपये तक का सरकारी योगदान मिलता है। यह योगदान अलग-अलग क्षेत्रों में दो साल तक और विनिर्माण क्षेत्र में चार साल तक मिलता है। यह योगदान उस शुरुआती लागत का कुछ हिस्सा कवर करता है, जो किसी कंपनी को नए कर्मचारी को रखने पर उठानी पड़ती है, खासकर तब जब ऑनबोर्डिंग और प्रशिक्षण चल रहा होता है और बिना किसी पिछले औपचारिक अनुभव वाला कर्मचारी, धीरे-धीरे कंपनी के लिए लाभप्रद हो रहा होता है। इस शुरुआती लागत को कम करके यह प्रावधान, योजना का दायरा रवि जैसे लोगों को काम पर रखने वाले छोटे व्यवसायों तक बढ़ाता है। उसकी जैसी विनिर्माण इकाईयों के लिए, चार साल की अवधि, जो सामान्य अवधि से दोगुनी है, कंपनियों को ऑटोमेशन में निवेश के साथ-साथ अपने कार्यबल का विस्तार करने के लिए भी प्रोत्साहित करती है। भारत की जनसांख्यिकीय व्यवस्था को देखते हुए, युवा और बढ़ता कार्यबल 2047 तक विकसित भारत की ओर बढ़ने के लिए रोज़गार-आधारित विकास के ज़रिए आर्थिक विकास को रफ्तार देने का एक मौका देता है। कार्यबल में शामिल होने वाले नए लोग किस सीमा तक औपचारिक रोज़गार में आते हैं, जहाँ उन्हें सामाजिक सुरक्षा और संस्थागत सुरक्षा मिलती है, यह इस बात पर भी असर डालेगा कि परिवारों और समुदायों में विकास का लाभ कैसे मिलता है। पीएम-वीबीआरवाई का मकसद स्वतंत्र भारत से समृद्ध भारत तक के सफ़र को मज़बूत करना है और दो साल में 3.5 करोड़ से ज़्यादा औपचारिक नौकरियाँ पैदा करने के लिए प्रोत्साहन देना है। इस योजना की शुरूआत से, 60 लाख नए कर्मचारी औपचारिक कार्यबल का हिस्सा बन चुके हैं। इनमें से 43.26 लाख (लगभग 71त्न) 18 से 30 साल की उम्र के हैं और 18.04 लाख (लगभग 30त्न) महिलाएं हैं, जो पहली बार औपचारिक रोज़गार से जुड़ी हैं। ये कर्मचारी विशेष सेवाओं, इंजीनियरिंग, व्यापार, विनिर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य, वस्त्र और आतिथ्य जैसे क्षेत्रों से जुड़े हैं, जो दिखाता है कि कई तरह के औपचारिक संस्थानों में इसे अपनाया गया है।

शोध आलेख:सशक्त युवा,सशक्त राष्ट्र:2047 तक विकसित भारत के लिए भारत का दृष्टिकोण.......

2014 और 2026 के बीच, सरकार ने शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता, खेल, स्वास्थ्य और नागरिक भागीदारी जैसे क्षेत्रों में युवाओं पर केंद्रित कई पहल शुरू कीं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और युवाओं के नेतृत्व वाले विकास के विज़न के आधार पर, सरकार ने शिक्षा तक पहुँच बढ़ाई, उच्च शिक्षा को मजबूत किया और कौशल विकास व रोजगार के अवसर बढ़ाए। भारत के स्टार्टअप तंत्र में भी इजाफा हुआ, जिसमें 2.3 लाख से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप शामिल हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म, समावेशी कार्यक्रमों और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से, देश के युवा अमृत पीढ़ी के रूप में उभरे हैं और विकसित भारत ञ्च 2047 के विज़न में योगदान दे रहे हैं। अपनी लगभग 65 प्रतिशत आबादी के 35 वर्ष से कम उम्र के होने के कारण, भारत अपने इतिहास के एक अहम मोड़ पर है। सरकार इस जनसांख्यिकीय लाभांश की अपार क्षमता को पहचानती है। पिछले 12 वर्षों में, देश ने युवाओं के साथ सरकार के जुड़ाव के तरीके में एक बुनियादी बदलाव देखा है। यह दौर भारत के युवाओं को राष्ट्रीय विकास की ताकत में बदलने के लिए किए गए व्यवस्थित और परिवर्तनकारी प्रयासों को दर्शाता है। यह बदलाव शिक्षा, कौशल विकास, खेल और उद्यमिता सहित हर क्षेत्र में दिखाई देता है। युवाओं को अब केवल निष्क्रिय लाभार्थी नहीं माना जाता, बल्कि उन्हें अमृत पीढ़ी के रूप में पहचाना जाता है। वे विकसित भारत ञ्च 2047 के मुख्य निर्माता और सह-रचनाकार के रूप में उभरे हैं। पिछले दशक में युवाओं के विकास के प्रति भारत के नज़रिए में काफ़ी बदलाव आया है, जो युवा और गतिशील आबादी की बदलती आकांक्षाओं और ज़रूरतों को दर्शाता है। राष्ट्रीय युवा नीति (एनवाईपी) 2014 ने देश में युवाओं के विकास के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया। इसमें 15-29 साल के लोगों को युवा माना गया और शिक्षा, रोज़गार, कौशल विकास, स्वास्थ्य, खेल, सामाजिक भागीदारी और सशक्तिकरण जैसे अहम क्षेत्रों की पहचान की गई। इसका मुख्य ज़ोर पहुँच, समावेश और संस्थागत मज़बूती पर था। इसी बुनियाद को आगे बढ़ाते हुए, सरकार ने हाल के वर्षों में युवाओं के नेतृत्व वाले विकास का विज़न पेश किया है। इसमें युवाओं को सिर्फ़ सरकारी कार्यक्रमों का लाभार्थी के तौर पर नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण में सक्रिय साझेदार के तौर पर देखा गया है। हाल ही में प्रस्तावित राष्ट्रीय युवा नीति 2025 का ढांचा भविष्य के लिए ज़रूरी कौशल, उद्यमिता, नेतृत्व, नागरिक भागीदारी, डिजिटल भागीदारी और टिकाऊ विकास जैसी उभरती प्राथमिकताओं पर और ज़ोर देता है। हाल के वर्षों में शिक्षा के प्रति भारत का नज़रिया काफ़ी बदला है। अब ध्यान सिर्फ़ पहुँच बढ़ाने से हटकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने पर केंद्रित हो गया है। शिक्षा अब शहरों तक ही सीमित न रहकर दूर-दराज़ के इलाकों तक पहुँच रही है, ताकि सभी को समान अवसर मिल सकें। भारत के युवाओं के लिए सर्वांगीण और भविष्य के लिए तैयार करने वाली शिक्षा सुनिश्चित करने पर ज़ोर दिया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) इस बदलाव का मुख्य आधार है। यह देश भर के हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद तैयार की गई पहली व्यापक शिक्षा नीति है। यह नीति सीखने वाले को व्यवस्था के केंद्र में रखती है और अनुभव-आधारित तथा बहु-विषयक शिक्षा को बढ़ावा देती है। एनईपी अमृत पीढ़ी को सशक्त बनाने और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में अहम भूमिका निभा रही है। पिछले दशक में, सरकार ने युवा सशक्तिकरण और उच्च शिक्षा की नींव के तौर पर स्कूली शिक्षा को मज़बूत किया है। एनईपी 2020 के अनुरूप, स्कूली शिक्षा को प्री-प्राइमरी से लेकर सीनियर सेकेंडरी स्तर तक एक एकीकृत और निरंतर प्रक्रिया के रूप में नए सिरे से तैयार किया गया है। वर्ष 2025-26 तक, 1.49 लाख से ज़्यादा स्कूलों को सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) और डिजिटल पहलों के दायरे में लाया गया है, साथ ही, 1.76 लाख से अधिक स्मार्ट क्लासरूम और 1.79 लाख आईसीटी प्रयोगशालाओं को मंज़ूरी दी गई है। अलग-अलग सामाजिक और भौगोलिक पृष्ठभूमि वाले युवाओं को शामिल करने और उन्हें पढ़ाई से जोड़े रखने पर खास ज़ोर दिया गया है। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) और नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालयों (एनएससीबीएवी) जैसी आवासीय स्कूली सुविधाओं ने लड़कियों और सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों वाले छात्रों, खासकर दूर-दराज़ और चुनौतीपूर्ण इलाकों में रहने वालों के लिए शिक्षा तक पहुँच को बेहतर बनाया है। इन कोशिशों के साथ-साथ, पीएम-जनमन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) जैसी पहलों के तहत हॉस्टल सुविधाओं ने आदिवासी समुदायों के लिए शिक्षा के मौकों को बढ़ाया है। इन उपायों से सभी स्कूली स्तरों पर दाखिले में सुधार हुआ है और स्कूल छोड़ने वालों की दर में कमी आई है, जिससे ज़्यादा भारतीय युवा माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा पूरी कर पा रहे हैं। नई शिक्षा नीति ने उच्च शिक्षा तक पहुँचने और उसे देने के तरीके में बुनियादी बदलाव किए हैं। भारतीय युवा अब एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था के ज़रिए सशक्त हो रहे हैं, जो ज़्यादा सशक्त, डिजिटल रूप से सक्षम और नवाचार पर आधारित है।

दलीय टूट-फूट के सवालों से मुठभेड़ जरूरी

उमेश चतुर्वेदी

निश्चित तौर पर राजनीतिक दलों के गठन की बुनियाद उनका राजनैतिक और सामाजिक विचार और सिद्धांत होता है। इसके बावजूद लगातार महंगी होती चुनाव प्रक्रिया ने विचारधारा की राजनीति को पीछे खिसका दिया है। विचारधारा की दुहाई तभी तक दी जाती है, जब तक उसकी राह में धन बल या बाहुबल नहीं आता, जब तक कि सत्ता उससे दूर रहती है। डॉक्टर लोहिया ने कहा तो था समाजवादियों से, लेकिन लगता है कि उनकी बात आज के विपक्षी दलों ने ज्यादा शिद्दत से मान ली है। लोहिया ने कहा था, सुधरो या टूट जाओ। लोहिया की इस अपील को उनके समाजवादी चेलों ने तो माना ही, अब गैर समाजवादी अनुयायी भी स्वीकार कर चुके हैं। चार मई को पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद सबसे बड़ी टूट उस ममता की पार्टी में हुई, जिन्हें राजनीतिक मैदान का योद्धा माना जाता था। जो झुकना नहीं जानतीं। पहले उनके 80 में से 53 विधायक टूट गए और विधानसभा में उन्होंने अपना अलग गुट बना लिया। इसके बाद लोकसभा के उनके 29 में से बीस सांसद भी टूट गए। दिलचस्प यह है कि उन्होंने एक अनाम-सी पार्टी नेशनल सिटिजन्स पार्टी में अपना विलय कर लिया। ममता की राह पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना के भी सांसद चल पड़े हैं और हो सकता है कि इन पंक्तियों के प्रकाशित होने तक उनके नौ में से छह लोकसभा सांसद पाला बदलकर एकनाथ शिंदे की शिवसेना के धनुष पर तीर चढ़ा रहे होंगे। सुगबुगाहट तमिलनाडु की द्रविड़ मुनेत्र कषगम् के संसदीय दल में भी टूट-फूट की दिख रही है। इस बीच सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता ओमप्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव की अगुआई वाली समाजवादी पार्टी में भी टूट की भविष्यवाणी जता दी है। भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई बात नहीं है। अतीत में भी दल-बदल होते रहे हैं। हरियाणा में तो तकरीबन पूरा विधायक दल ही दूसरे दल में समा गया था। उसी के बाद से दलबदल के लिए भारतीय राजनीति में 'आयाराम गयाराम' का मुहावरा ही चल पड़ा था। लेकिन पश्चिम बंगाल के चुनावों के बाद जिस तरह दल-बदल या दलों में टूटफूट हो रहा है, वह अप्रत्याशित है। इतने बड़े पैमाने पर राजनीतिक दलों में भगदड़ पहले नहीं हुई थी। पहले किसी एक या दो दल में ऐसा होता था। ऐसा लग रहा है कि जैसे बीजेपी विरोधी दलों को दल-बदल या टूट-फूट वाली छूत की बीमारी लग गई है। इस प्रभावित दल इस टूट-फूट के लिए

बीजेपी को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उनका आरोप है कि बीजेपी टूटने वाले नेताओं को मोटी रकम का लालच दे रही है। उनका यह भी आरोप है कि संवैधानिक सुधारों के लिए चूंकि बीजेपी को संसद के दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत की जरूरत है, इसलिए वह धन और बाहुबल का लालच देकर दलों को तोड़ रही है। एक बारगी मान भी लें कि बीजेपी की शह पर ये टूट-फूट हो रही है तो एक प्रश्न जरूर उठता है कि आखिर राजनीतिक दलों ने कैसे नेताओं को अपना सांसद या विधायक बनाने के लिए चुना है? क्या उनके चयन में कोई गलती रही? सवाल यह भी उठता है कि जो टूट रहे हैं, क्या सांसद या विधायक बनाने को लेकर जब उनका चयन किया जा रहा था, तो उनकी कौन की खासियत देखी गई थी? क्या दल के प्रति न उनकी निष्ठा, उनके चरित्र आदि का ध्यान नहीं रखा गया। सवाल यह भी उठता है कि क्या बाहुबल या धन बल ही उनके चयन की बड़ी योग्यता मानी गई। इन सवालों का ईमानदारी से जवाब प्रभावित दल भले ही नहीं दे, लेकिन यह छुपी हुई बात नहीं है कि भारतीय राजनीति में संसद या विधानसभा में नुमाइंदगी के लिए दलीय निष्ठा की बजाय दूसरे कारकों का ज्यादा ध्यान रखा जा रहा है। इसमें चुनाव जीतने की क्षमता, चुनाव में खर्च करने की सामर्थ्य और जरूरत बड़ने पर पार्टी के लिए धन और बाहुबल के साथ खड़ा होने की शक्ति भी देखी जाती है। कई बार तो सिर्फ पैसे के दम पर ही टिकट हासिल कर लिए जाते हैं। यही वजह है कि मौका मिलते ही ये नेता अपनी निष्ठा बदलने में देर नहीं लगाते। निश्चित तौर पर राजनीतिक दलों के गठन की बुनियाद उनका राजनैतिक और सामाजिक विचार और सिद्धांत होता है। इसके बावजूद लगातार महंगी होती चुनाव प्रक्रिया ने विचारधारा की राजनीति को पीछे खिसका दिया है। विचारधारा की दुहाई तभी तक दी जाती है, जब तक उसकी राह में धन बल या बाहुबल नहीं आता, जब तक कि सत्ता उससे दूर रहती है। अगर विचारधारा से विचलन के बाद सत्ता आती दिखती है तो राजनीतिक दल और नेता भी अपनी उस विचारधारा को कुछ वक्त के लिए ताक पर रख देते हैं। सिद्धांत और निष्ठाएं भी तब तक के लिए टाल दी जाती हैं। जब दलीय आधार पर ऐसा होता है तो निजी स्तर पर किसी सांसद और विधायक को आर्थिक या सत्ता में भागीदारी का मौका मिलेगा तो वह क्यों न टूटेगा। सवाल यह है कि जब दल और उसका अगुआ ही अपनी निष्ठा और विचारधारा को सत्ता के लिए किनारे रख देगा तो मौका मिलने पर उसका सांसद और विधायक ऐसा क्यों नहीं कर सकता। उद्धव ठाकरे के संसदीय दल में बिखराव की बड़ी वजह सत्ता के लिए पार्टी के सिद्धांतों से समझौता और कांग्रेस का साथ लेना रहा है।

108 फुट ऊंचे ध्वज के पुण्याजर्क मड़ावरा जैन समाज अध्यक्ष डा. वी सी जैन हुए सम्मानित

झांसी! भगवान महावीर निर्वाण महामहोत्सव समिति झांसी द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में 30 वर्षों से निरंतर मड़ावरा में प्राचीन धर्म धर्मायतनो का विकास, नवीन विशाल धर्मशाला का निर्माण, आधुनिक सुख सुविधाओं से युक्त आवास व साधु संतों के अनुकूल संत निवास से युक्त श्री महावीर विद्याविहार के निर्माण को नेतृत्व देने वाले मड़ावरा जैन समाज के यशस्वी अध्यक्ष दानवीर भामाशाह डा विरधी चंद्र जैन का सम्मान स्थानीय होटल में भव्य समारोह पूर्वक डा मुकेश नजा के मुख्य आथित्य व डा उदय जैन के विशिष्ट आथित्य में सुभाष जैन सत्यराज की अध्यक्षता व राजेंद्र बड़जात्या के नेतृत्व में किया गया।

इस अवसर पर डा जैन को महामहोत्सव समिति के स्वागताध्यक्ष राजीव जैन अहिंसा, रविंद्र जैन रेलवे, देवेंद्र मगरपुर बृजेंद्र मोदी आदि ने शॉल श्रीफल धर्म पट्टिका पहनाकर अभिनंदन पत्र समर्पित किया।

आरंभ में अतिथियों का स्वागत अनिल जैन, रवि जैन, चक्रेश जैन देवेश केडी ने, दीप प्रज्वलन सनत जैन, निलय जैन व अंकित जैन (बी ओ बी) ने एवं मंगलाचरण संध्या जैन व रूपम जैन ने किया।

इस अवसर पर मौजूद उनके विशेष सहयोगी एंजी मुकेश कुमार जैन (मामाजी) ने बताया मड़ावरा जैन प्राचीन संस्कृति के लिए सदैव से प्रसिद्ध रहा है जहां डा विरधी चंद्र जैन की अध्यक्षता में गत् 30 वर्षों से निरंतर विकास कार्य चल रहे हैं। उन्होंने अभी हाल ही में श्रुत पंचमी पर श्री महावीर विद्या विहार में अपनी निजी राशि से 108 फुट ऊंचे पिलर पर जैनधर्म ध्वजा लगवाकर सत्य अहिंसा, करुणा, शांति व अपरिग्रह का संदेश दूर दूर तक दिया है।

उद्योग मंत्री देवांगन ने सहयोग केंद्र में सुनीं कार्यकर्ताओं की समस्याएं

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश के उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय (कुशाभाऊ ठाकरे परिसर) में सहयोग केंद्र पहुँचकर पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उनकी विभिन्न समस्याओं व शिकायतों को गंभीरता से सुना। श्री देवांगन ने कार्यकर्ताओं की मांगों और जनसमस्याओं के आवेदन स्वीकार करते हुए संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित व समयबद्ध निराकरण के सख्त निर्देश दिए।

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने इस दौरान कहा कि कार्यकर्ताओं की समस्याओं का समाधान करना और जनता को राहत पहुँचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सहयोग केंद्र में जनसुनवाई के इस कार्यक्रम के दौरान संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कण्डेय, सहयोग केन्द्र प्रभारी सच्चिदानंद उपासने और प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज उपस्थित थे।

बीएसपी ग्रुप माइंस ने राजहारा में गहन कार्यशाला के माध्यम से नेतृत्व क्षमता को किया मजबूत

रायपुर। नेतृत्व उत्कृष्टता और संगठनात्मक प्रभावशीलता को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (एसएआईएल) के समूह खान विभाग - भिलाई इस्पात संयंत्र ने राजहारा स्थित खान प्रवेश प्रशिक्षण केंद्र (एमवीटीसी) में दो दिवसीय नेतृत्व विकास कार्यशाला का आयोजन किया। तेजी से बदलते युग में टीमों का नेतृत्व विषय पर आधारित इस कार्यशाला का उद्देश्य अधिकारियों के नेतृत्व कौशल को मजबूत करना और उन्हें तेजी से बदलते कार्य वातावरण की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना था।

समूह खानों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया, जिसका संचालन स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के पूर्व निदेशक (वाणिज्यिक) और जाने-माने प्रबंधन विशेषज्ञ डॉ. शोएब अहमद और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित नेतृत्व प्रशिक्षक और छवि सलाहकार सुश्री आरती शर्मा ने किया।

इस कार्यशाला में नेतृत्व के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया, जिनमें प्रभावी संचार, टीम निर्माण, परिवर्तन प्रबंधन, व्यक्तिगत प्रभावशीलता, नेतृत्व कौशल और संगठनात्मक उत्कृष्टता शामिल हैं। प्रतिभागियों को इंटरैक्टिव सत्रों, समूह गतिविधियों और केस स्टडी आधारित चर्चाओं के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षण के बहुमूल्य अवसर प्रदान किए गए, जिनका उद्देश्य व्यावहारिक नेतृत्व क्षमताओं को बढ़ाना था। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, विशेषज्ञों ने इस बात पर ज़ोर दिया कि किसी भी संगठन की असली ताकत उसके मानव संसाधन और नेतृत्व क्षमता में निहित होती है।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर राज्यपाल ने दी श्रद्धांजलि

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रखर राष्ट्रवादी नेता एवं महान शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर आज लोक भवन में राज्यपाल रमेन डेका ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर राज्यपाल ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और को सुदृढ़ करने के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उनके विचार और आदर्श आज भी देशवासियों को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। लोक भवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

तारवानी एंड एसोसिएट्स की 28वीं वार्षिक सभा संपन्न

- लोकेश अग्रवाल को बी सी डी तो कोमल राठी को बेस्ट आर्टिकल अवार्ड*

रायपुर (विश्व परिवार)। तारवानी एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट्स की 28वीं वार्षिक सभा निरवाना फार्म्स में भव्य रूप से संपन्न की गई। कार्यक्रम का प्रारंभ संस्था के प्रमुख सीए चेतन तारवानी जी एवं अन्य मुख्य सदस्यों ने दीप प्रज्वलन करके किया। कार्यक्रम में चीफ गेस्ट के रुप में श्री एम. राजीव, अधीक्षक, जीएसटी विभाग, शामिल हुए। कार्यक्रम में ऑफिस के सदस्यों को अवार्ड और टाइटल दिया गया इसी बीच कार्यक्रम में मनोरंजन बना रहे इस हेतु एंकर्स द्वारा बीच-बीच में मस्ती के साथ मजेदार ड्रामा किया गया इसके साथ ऑफिस के सदस्यों द्वारा मनमोहक गानों पर डांस किया गया एवं गेम्स खिलाए गए तथा बी.सी.डी (बिआंड द कॉल ऑफ ड्यूटी) अवार्ड लोकेश अग्रवाल , बेस्ट आर्टिकल के अवार्ड से कोमल राठी ,बेस्ट स्टाफ रूपाली कौर , बेस्ट चेयरमैन नज़िया परवीन , डेडिकेटेड आर्टिकल अवार्ड साधना साहू एव मुस्कान नारा , बेस्ट स्पीकर तुषार सिंह राजपूत , न्यू कमर अवार्ड माहिर सोनी को दिया गया तथा सीए चेतन तारवानी द्वारा स्पेशल अवार्ड (आउटस्टैंडिंग परफॉरमेंस) प्रशांत मथानी, देवेश गिदवानी , साधना साहू, वंशिका अग्रवाल, लोकेश अग्रवाल , कोमल राठी, मनीष असलानी ,अपवर्ड कर्व अवार्ड कशिश एलसिंहानी एव यक्षा चावला , हार्मनी हेल्पर अवार्ड उपासना देवनानी , कोड ऑफ कंडक्ट चैंपियन अवार्ड लोकेश अग्रवाल । पंक्चुअलिटी (अटेंडेंस) अवार्ड में स्टाफ में मुस्कान शर्मा, आर्टिकल में मनीष असलानी एवं एडमिन में राजेश निरवान को दिया गया।

वित्तीय वर्ष 26-27 हेतु आर्टिकल स्टडी मिट नेता के रूप में नैन्सी शर्मा को चुना गया जो प्रत्येक शनिवार को आर्टिकल स्टडी मिट आयोजित करवाएगी द्य कार्यक्रम में आगे तारवानी एंड एसोसिएट्स के सदस्य श्री विनोद तारवानी जी ने कार्यक्रम की भरपूर सराहना की।

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर भाटापारा में बच्चों ने बेनागा किया पूजा पाठ

भाटापारा (विश्व परिवार)। दिनांक 25 अप्रैल से 16 जून तक, स्कूल अवकाश अवधि में, आर्नव मोदी, सनाया जैन, अनायशा मोदी एवं रियान जैन ने मंदिर में भगवान के प्रक्षाल, अभिषेक, शांति धारा, देव-शास्त्र-गुरु पूजा की अन्य सभी धार्मिक कार्यों में पूर्ण मनोयोग से सहयोग प्रदान किया । विशेष रूप से रियान जैन ने प्रतिदिन प्रात: 7.45 से 9.45 तक मंदिर में उपस्थित रहकर अभिषेक से पूर्व की समस्त क्रियाएँ अत्यंत भक्ति एवं निष्ठा से संपन्न कराईं। अवकाश के एक भी दिन बिना नागा किए, प्रसन्न मन से मंदिर की सेवा की। बाल अवस्था में धर्म के प्रति इतनी लगन, निष्ठा और समर्पण दुर्लभ है। इन बच्चों ने यह सिद्ध किया कि संस्कार यदि दृढ़ हों तो उम्र बाधा नहीं बनती । आप चारों का यह सेवाभाव पूरे समाज के लिए प्रेरणा है। भगवान आदिनाथ का आशीर्वाद सदा आप पर बना रहे, और आपका जीवन धर्म, ज्ञान व संयम के मार्ग पर आगे बढ़ता रहे । इन चारों बच्चों की भक्ति, समर्पण एवं संस्कारों को नमन करते हुए श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर कमेटी, भाटापारा द्वारा इन्हें सम्मानित किया गया।

24 जून को मनाया जाएगा बलौदाबाजार प्रेस क्लब का पंजीयन स्थापना दिवस एवं पत्रकार सम्मान समारोह

- जिलेभर से लगभग 100 पत्रकारो का होगा सम्मान

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पत्रकारों के सम्मान, एकता और पत्रकारिता के मूल्यों के संरक्षण को समर्पित बलौदाबाजार प्रेस क्लब का स्थापना दिवस इस वर्ष 24 जून 2026, बुधवार को भव्य एवं गरिमामय वातावरण में मनाया जाएगा। कार्यक्रम मे मुख्यअतिथि प्रदेश सरकार के राजस्व आपदा व पुनर्वास एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा एवं अध्यक्षता करेंगे नरेश गनशानी अध्यक्ष बलौदाबाजार प्रेस क्लब साथ ही गौरीशंकर अग्रवाल पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, इंद्र साव विधायक भाटापारा, संदीप साहू विधायक कसडोल, अध्यक्ष जिला पंचायत आकांक्षा जायसवाल, अध्यक्ष नगरपालिका अशोक जैन, भारत स्काउट गाइड के प्रदेश उपाध्यक्ष विजय केसरवानी, वरिष्ठ अधिवक्ता सतीश चंद्र श्रीवास्तव होंगे विशेष अतिथि, स्थानीय जिला ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाले इस विशेष समारोह में जिले भर के पत्रकारों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, समाजसेवियों तथा विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति रहेगी।

शाम 5 बजे से प्रारंभ होने वाले इस आयोजन को लेकर पत्रकार जगत में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। बलौदाबाजार प्रेस क्लब द्वारा कार्यक्रम की तैयारियां युद्धस्तर पर की जा रही हैं और आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप देने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रेस क्लब के पदाधिकारियों ने बताया कि स्थापना दिवस समारोह का उद्देश्य केवल संगठन का वार्षिक उत्सव मनाना नहीं, बल्कि पत्रकारिता के प्रति सम्मान व्यक्त करना, मीडिया कर्मियों के योगदान को रेखांकित करना और समाज में उनकी भूमिका को नई पहचान दिलाना है।

पीएम मोदी के 'नेशन फर्स्ट' संकल्प और सुरक्षा बलों के शौर्य से बस्तर में लौटी शांति और विकास की नई रोशनी: सीएम साय

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने नक्सलवाद के खिलाफ देश की लड़ाई को विकास और जनविश्वास की विजय बताते हुए कहा है कि सरकार ने नक्सलवाद और माओवाद को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया था और आज उसके सकारात्मक परिणाम पूरे देश के सामने हैं। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में कभी भय, हिंसा और अविश्वास का वातावरण था, वहां आज विकास, सुशासन और नई संभावनाओं का युग प्रारंभ हो चुका है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एक समय नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य नागरिक निरंतर भय के साये में जीवन जीने को मजबूर थे। लोगों को अपनी सुरक्षा, आजीविका और सम्मान की चिंता रहती थी। विकास कार्यों को आगे बढ़ाना अत्यंत कठिन था। सडक़ निर्माण से लेकर संचार सुविधाओं के विस्तार तक हर प्रयास का हिंसक विरोध किया जाता था। कई बार निर्माण सामग्री को जला दिया जाता था, ठेकेदारों को धमकाकर भगा दिया जाता था और विकास कार्यों को रोकने की कोशिश की जाती थी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन चुनौतियों के बावजूद सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। बीते वर्षों में हजारों किलोमीटर सडक़ों का निर्माण किया गया, हजारों मोबाइल टावर स्थापित किए गए और दूरस्थ गांवों तक संचार सुविधाएं पहुंचाई गईं। बैंकिंग सेवाओं, डाक सेवाओं और वित्तीय समावेशन के माध्यम से लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोडऩे का कार्य किया गया।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.), फोन नं.-0771-2991574
email Id- eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोसंरचना **विकास मण्डल द्वारा कालोनी खिलौरा, जिला आवास योजनांतर्गत निर्मित भवन क. एल.आई.जी 167, श्रीमती पायल शाह पति श्री भरत कुमार शाह निवासी:- गली नं.-02, फाफाडीह, रायपुर तह व जिला-रायपुर (छ.ग.)** के नाम पर इस कार्यालय के आंबटन **आदेश क्र. 849 दिनांक 27.01.2009** के माध्यम से स्ववित्तीय आधार पर आंबटित है। आबंटी द्वारा भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर **दिनांक 25.09.2012** को लीजडीड निष्पादित कराने के उपरांत पत्र **क्रमांक 415 दिनांक 02.02.2013** को आधिपत्य आदेश जारी किया गया है। आंबटी **श्रीमती पायल शाह पति श्री भरत कुमार शाह,** उक्त भवन को विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन को **क्रेता श्री हरेकृष्ण सेन पिता श्री हरिओम शरण नापित निवासी:- एल.आई.जी-255, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी खिलोरा रायपुर (छ.ग.)** के पक्ष में विक्रय हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन/फ्लैट के विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार रायपुर (छ.ग.)

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 का सफल आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। अज़ीम एडुकॉर्प कंप्यूटर इंस्टीट्यूट एवं अज़ीम एजुकेशन वेलफेयर सोसायटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग, सांस्कृतिक एवं प्रतिभा विकास कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं गणमान्य अतिथियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। इस अवसर पर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करने हेतु रंगोली प्रतियोगिता, कुकिंग प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता, ड्राइंग प्रतियोगिता, टाइपिंग प्रतियोगिता एवं डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

प्रतियोगिताओं के परिणाम - कुकिंग प्रतियोगिता - दिव्या परगनिहा (प्रथम स्थान) - रंगोली प्रतियोगिता - दीपिका ठाकुर (प्रथम स्थान) - ड्राइंग प्रतियोगिता - रुचि देवांगन एवं कनक पटेल (प्रथम स्थान) - मेहंदी प्रतियोगिता - अंकिता भोई (प्रथम स्थान) - डांस प्रतियोगिता - वैशाली साहू (प्रथम स्थान)। कार्यक्रम के दौरान संस्थान द्वारा संचालित नि:शुल्क बेसिक कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्ण करने वाली छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संगम ट्रेडिंग एवं मानव सेवा समिति से श्री वसंत पटेल, बीट बाईट इन्फोटेक की डायरेक्टर श्रीमती प्रिया गुप्ता, समाजसेवी श्री पीयूष जैन, जैनम अकादमी से श्रीमती दीपक्षा जैन तथा अधिवक्ता सुश्री आकांक्षा जैन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जैन तीर्थ अयोध्या में भगवान मुनिसुव्रतनाथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न

भद्रबाहुसागर जी महाराज व गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी को श्रीफल समर्पित करके दर्शन किये। पश्चात् मुख्यमंत्री जी का मंच पर तिलक लगाकर कमेटी के मंत्री श्री विजय कुमार जैन जी ने तिलक लगाकर स्वागत किया एवं समिति के अध्यक्ष पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी ने पगड़ी पहनाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर मुख्यमंत्री जी का सम्मान किया। पंचकल्याणक के शुभ अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने रत्नवृष्टि की। सभा का शुभारंभ पूज्य प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी के द्वारा मंगलाचरण हुआ। पश्चात् पीठधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी ने तीर्थ के विषय में संक्षिप्त जानकारी माननीय मुख्यमंत्री जी को प्रदान की। तत्पश्चात् तीर्थ विकास की सम्प्रेरिका जैन समाज की सर्वोच्च साध्वी भारतगौरव गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ने अपने मंगल प्रवचन में कहा कि भगवान ऋषभदेव, जिन्होंने प्रजा को जीवन जीने की कला सिखाई एवं नारी शिक्षा का प्रथम सूत्रपात इसी धरती से किया। मुझे गर्व है कि मोदी एवं योगी सरकार ने अपने कार्यकाल में राममंदिर के कार्य को सम्पन्न कर लिया, जो एक संस्कृति के संवर्धन में एक महत्वपूर्ण कदम है। आज भगवान मुनिसुव्रतनाथ का पंचकल्याणक सम्पन्न हो रहा है। ये एक इतिहास जीवंत हो रहा है। भगवान श्रीराम का जन्म भगवान मुनिसुव्रतनाथ के काल में हुआ था। इसीलिए मेरी प्रेरणा से यह इतिहास यहाँ पर निर्मित किया गया है। योगी और मोदी सरकार को हमारा खूब-खूब मंगल आशीर्वाद है। इसी प्रकार से वे संस्कृति और संवर्धन में सदैव कार्य करते रहें।

इस क्रम में माननीय मुख्यमंत्री जी ने अपने भाषण में सर्वप्रथम भगवान ऋषभदेव की जय बोलते हुए कहा कि भगवान ऋषभदेव इस धरती के प्रथम राजा थे। उनके पुत्र भरत के नाम से इस देश का नाम भारत पड़ा। ये धरती तीर्थंकरों के जन्म से पावन एवं पवित्र है। प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव, द्वितीय तीर्थंकर भगवान अजितनाथ, चौथे तीर्थंकर भगवान अभिनंदननाथ, पाँचवें भगवान सुमतिनाथ एवं चौदहवें तीर्थंकर भगवान अनंतनाथ के जन्म से पावन एवं पवित्र है। 24 में से अनेक तीर्थंकरों का जन्म इस धरती पर हुआ है। वाराणसी में चार तीर्थंकर, हस्तिनापुर में 3 तीर्थंकर का जन्म हुआ है। श्रावस्ती में भगवान संभवनाथ का जन्म हुआ है। इस अवसर पर गाय के संरक्षण, संवर्धन का भी माननीय मुख्यमंत्री जी ने अपने भाषण में जिक्र किया एवं अयोध्या चहुमुखी विकास किया। पूज्य ज्ञानमती माताजी एक पवित्र आत्मा हैं, जिनका दर्शन करने की इच्छा मेरे मन में विगत कई दिनों से थी। इस कार्यक्रम का आमंत्रण मुझे माननीय पीठाधीश रवीन्द्रकीर्ति जी ने लखनऊ में दिया। उसी समय मैंने कार्यक्रम में सम्मिलित होने की इच्छा व्यक्त की एवं आने की स्वीकृति दी। सभी प्रांतों से लोग यहाँ सम्मिलित हुए हैं। उन सभी का मैं सरकार की तरफ से अभिनंदन करता हूँ एवं पूज्य पीठाधीश के जन्मदिवस की शुभकामनाएँ देते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी ने पुष्पगुच्छ प्रदान किया एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की।

इसके पश्चात् मुनिसुव्रतनाथ भगवान की दीक्षा का कार्यक्रम सम्पन्न किया गया एवं तपकल्याणक की क्रियाएँ सम्पन्न की गयीं।

संक्षिप्त समाचार

22 वर्षीय सीए आदित्य सिंघानिया ने जीएसटी अपीलीय ट्रिब्यूनल में अपील प्रक्रिया एवं ड्राफ्टिंग विषय पर दिया व्याख्यान

रायपुर। रायपुर जीएसटी बार एसोसिएशन द्वारा आज जीएसटी अपीलीय ट्रिब्यूनल में अपील की प्रक्रिया एवं ड्राफ्टिंग विषय पर एक महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता युवा चार्टर्ड अकाउंटेंट सीए आदित्य सिंघानिया थे। विशेष उल्लेखनीय तथ्य यह रहा कि मात्र 22 वर्ष की आयु में सीए आदित्य सिंघानिया ने रायपुर जीएसटी बार एसोसिएशन जैसे प्रतिष्ठित संगठन के मंच से अपना प्रथम व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने जीएसटी अपीलीय ट्रिब्यूनल में अपील प्रस्तुत करने की संपूर्ण प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों, समय-सीमाओं, ड्राफ्टिंग की बारीकियों तथा विभिन्न व्यावहारिक एवं तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी अत्यंत सरल एवं प्रभावी ढंग से प्रदान की। उन्होंने विशेष रूप से सदस्यों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि जीएसटी अपीलीय ट्रिब्यूनल (त्रस्ञ्जअ) के समक्ष लंबित द्वितीय अपीलों के लिए आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 30 जून है, अतः पात्र करदाता एवं कर-व्यवसायी समय-सीमा का विशेष ध्यान रखते हुए आवश्यक कार्यवाही समय पर पूर्ण करें। साथ ही उपस्थित सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों एवं व्यावहारिक समस्याओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रायपुर जीएसटी बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष भाविक शाह ने की। कार्यक्रम का संचालन सचिव प्रवीण शर्मा द्वारा किया गया तथा उपाध्यक्ष मनीष बजाज ने आभार प्रदर्शन किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में भाविक शाह ने युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने की एसोसिएशन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि सीए आदित्य सिंघानिया द्वारा विषय का गहन अध्ययन एवं प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण सभी सदस्यों के लिए अत्यंत लाभदायक एवं प्रेरणादायक रहा।

इस अवसर पर एसोसिएशन के वरिष्ठ सदस्य डी. आर. लड्ढा, के. पी. तोमर, आलोक अग्रवाल, मनीष बजाज , संजय वॉलगूंजे, महेंद्र पंसारी, दीपक कामटकर , मनोज धमेचा ,वरुण माहेश्वरी सहित लगभग 60 सदस्य उपस्थित रहे। उपस्थित सदस्यों ने सेमिनार को अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक एवं व्यावहारिक बताते हुए भविष्य में भी जीएसटी एवं कराधान से संबंधित समसामयिक एवं व्यावहारिक विषयों पर इस प्रकार के नियमित सेमिनार आयोजित किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की।

विपक्ष के विधायक की सत्ता पक्ष पर मेहरबानी

करोड़ों का फंड, उठ रहे सवाल – विकास की गंगा या कमीशन का खेल?

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिले की राजनीति में इन दिनों एक ऐसा मामला चर्चा का विषय बना हुआ है,जिसने राजनीतिक गलियारों से लेकर आम जनता तक में बहस छेड़ दी है। विपक्षी दल के एक विधायक द्वारा सत्ता पक्ष से जुड़े जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं के क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए लाखों-करोड़ों रुपये की स्वीकृति दिए जाने के बाद सवाल उठने लगे हैं कि आखिर यह राजनीतिक सौहार्द है, विकास के प्रति प्रतिबद्धता है या फिर इसके पीछे कोई और खेल चल रहा है।

जानकारी के अनुसार विधायक निधि और विभिन्न मदों से लगातार ऐसे कार्य स्वीकृत किए जा रहे हैं, जिनका लाभ सीधे तौर पर सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों को मिल रहा है।पंचायत भवन,सामुदायिक भवन, सीसी रोड,मंच निर्माण,सांस्कृतिक भवन सहित कई कार्यों के लिए बड़ी राशि स्वीकृत होने की चर्चाएं हैं। विपक्षी विधायक के इस रवैये को लेकर राजनीतिक विश्लेषक भी हैरान हैं।

ज्ञात हो कि सामान्यतः विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच राजनीतिक प्रतिस्पर्धा देखने को मिलती है, लेकिन यहां तस्वीर कुछ अलग नजर आ रही है। जिस तरह से सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों को लगातार विकास कार्यों की सौगात मिल रही है, उसने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय लोगों के बीच भी चर्चा है कि यदि यह वास्तव में विकास की सोच है तो इसका स्वागत होना चाहिए,लेकिन यदि इसके पीछे कमीशनखोरी या राजनीतिक समझौते की कोई परत छिपी है तो इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। लोगों का कहना है कि विकास कार्यों में पारदर्शिता होना जरूरी है ताकि जनता को यह पता चल सके कि किन मानकों के आधार पर राशि स्वीकृत की जा रही है,और किन कौन चुने लोगो को फंड दिया जा रहा है।

वहीं विपक्षी खेमे के कई नेताओं में भी नाराजगी की चर्चा है।उनका मानना है कि पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों की अपेक्षाओं को दरकिनार कर सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों को प्राथमिकता देना राजनीतिक संदेश भी दे रहा है।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह विधायक क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए राजनीतिक सीमाओं से ऊपर उठकर काम कर रहे हैं, या फिर विकास कार्यों की आड़ में कमीशन और सांठगांठ का कोई नया मॉडल तैयार हो रहा है? फिलहाल जनता जवाब तलाश रही है और राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म है,कि कही ऐसा तो नहीं कि सत्ता पक्ष को फंड आबंटन कर आने वाले समय में स्वयं सत्ता पार्टी में अपनी प्रवेश देकर दावेदारी प्रस्तुत करे।

अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि विकास कार्यों के आवंटन की पूरी सूची और प्रक्रिया सार्वजनिक होती है या नहीं, क्योंकि पारदर्शिता ही इन सवालों का सबसे बड़ा जवाब हो सकती है।

लौह पुरुष की 150वीं जयंती पर पुलिस की अनोखी पहल: स्कूलों में गूंजा सुरक्षा, जागरूकता और जिम्मेदारी का संदेश

साइबर अपराध से बचाव, नशामुक्ति, महिला सुरक्षा और यातायात नियमों पर विद्यार्थियों को किया गया जागरूक

गरियाबंद (विश्व परिवार)। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के गौरवशाली अवसर पर गरियाबंद पुलिस द्वारा विद्यार्थियों के बीच व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक गरियाबंद के दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के स्कूलों और कॉलेजों में विशेष छात्र जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य विद्यार्थियों को सुरक्षा, कानून, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना था।

इसी कड़ी में 23 जून 2026 को थाना गरियाबंद क्षेत्र अंतर्गत संचालित पूर्व माध्यमिक शाला डाकबंगला तथा थाना राजीव क्षेत्र अंतर्गत संचालित संत कवि पवन दीवान हायर सेकेंडरी स्कूल, ग्राम किरवई में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने छात्र-छात्राओं को आधुनिक समय की चुनौतियों और उनसे बचाव के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताते हुए अनजान लिंक पर क्लिक न करने, ओटीपी एवं पासवर्ड किसी से साझा न करने तथा ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने की सलाह दी गई। साथ ही सड़क सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया।

पुलिस टीम ने नशे के दुष्प्रभावों पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को नशामुक्त जीवन अपनाने का संकल्प दिलाया। महिला सुरक्षा के लिए विकसित 'अभिव्यक्ति ऐप' की उपयोगिता और कार्यप्रणाली समझाते हुए छात्राओं को इसे डाउनलोड कर उपयोग करने की जानकारी दी गई। इसके अलावा महिला संबंधित अपराधों, कानूनी अधिकारों और सुरक्षा उपायों पर भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई।

आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित सहायता प्राप्त करने के लिए डायल-112 सेवा के उपयोग की प्रक्रिया भी विद्यार्थियों को बताई गई। वहीं सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग पर विशेष जोर देते हुए फेसबुक, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से बचने तथा डिजिटल सुरक्षा के प्रति सजग रहने की समझाइश दी गई।

कार्यक्रम में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्रनिर्माण, एकता और अनुशासन के आदर्शों को स्मरण करते हुए विद्यार्थियों को जिम्मेदार, जागरूक एवं कानून का सम्मान करने वाला नागरिक बनने की शपथ भी दिलाई गई।

इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, स्थानीय पुलिस बल के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम को विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक ग्रहण किया तथा सुरक्षा एवं जागरूकता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

गरियाबंद पुलिस द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान विद्यार्थियों को कानून, सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल साबित हो रहा है, जिससे भविष्य में एक सुरक्षित, शिक्षित और जिम्मेदार समाज के निर्माण को बल मिलेगा।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं विधायक किरण सिंह देव ने किया बाल गृह जगदलपुर का निरीक्षण

बच्चों से किया आत्मीय संवाद, मॉडल बाल गृह के उन्नयन कार्य का किया अवलोकन

जगदलपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव ने आज वृंदावन कॉलोनी स्थित बाल गृह का निरीक्षण कर वहां निवासरत देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों की देखभाल, सुरक्षा तथा उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बच्चों की स्थिति, पोषण व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाओं, शैक्षणिक गतिविधियों तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं की विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान विधायक ने बच्चों से आत्मीय संवाद स्थापित किया और उनकी आवश्यकताओं को समझते हुए संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की देखभाल अत्यंत संवेदनशीलता और समर्पण के साथ किया जाना चाहिए। ऐसे संस्थानों में बच्चों के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक एवं पारिवारिक वातावरण उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने बाल गृह के अधीक्षक एवं कर्मचारियों को बच्चों की सेवा और देखभाल के प्रति अधिक सक्रिय एवं संवेदनशील रहने के निर्देश देते हुए कहा कि राज्य सरकार बच्चों के कल्याण एवं विकास के लिए सुविधाओं का निरंतर विस्तार और उन्नयन कर रही है। इस अवसर पर विधायक ने अपने प्रयासों से निर्मित छत्तीसगढ़ के प्रथम मॉडल बाल गृह एवं बाल कल्याण समिति कार्यालय के पूर्ण हो चुके उन्नयन कार्यों का भी अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को बेहतर आवासीय, शैक्षणिक एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है। बच्चों के रहने का स्थान स्वच्छ, सुरक्षित एवं उत्कृष्ट स्तर का होना चाहिए।

उन्होंने बताया कि मॉडल बाल गृह के विकास का यह प्रथम चरण है तथा आगामी समय में बच्चों के लिए अन्य आवश्यक सुविधाओं का भी विस्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना शासन की जिम्मेदारी है तथा इस दिशा में हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं विधायक किरण सिंह देव की बच्चों के प्रति संवेदनशीलता तथा मॉडल बाल गृह के उन्नयन कार्यों के लिए बाल कल्याण समिति, बस्तर के अध्यक्ष नरेन्द्र पाणिग्राही, समिति के सदस्यों, बाल गृह के प्रभारी अधीक्षक मनोजकांत जोशी, कर्मचारियों एवं बच्चों ने उनका आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

निरीक्षण के दौरान बाल कल्याण समिति, बस्तर के अध्यक्ष नरेन्द्र पाणिग्राही, सदस्य श्रीमती वर्षा श्रीवास्तव, श्रीमती धनेश्वरी वर्मा, रामकृष्ण ठाकुर, बाल गृह के प्रभारी अधीक्षक मनोजकांत जोशी, रंजीता जोशी, पलक साव, माहेश्वरी सरवन, सोमा सरकार, मेघा चौहान सहित बाल गृह के बच्चे उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव के पहल पर जगतू माहरा शासकीय बहुउद्देशीय विद्यालय (बस्तर हाई स्कूल) के जीर्णोद्धार के लिए 1 करोड़ 50 लाख की राशि की मिली स्वीकृति

जगदलपुर। जगतू माहरा शासकीय बहुउद्देशीय विद्यलय (बस्तर हाई स्कूल) के जीर्णोद्धार के लिए 01 करोड़ 50 लाख की राशि स्वीकृत की गयी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव के पहल पर जगदलपुर शहर के जगतू माहरा शासकीय बहुउद्देशीय विद्यालय (बस्तर हाई स्कूल) के जीर्णोद्धार व विकास कार्य हेतु राशि 1 करोड़ 50 लाख की राशि स्वीकृत प्राप्त हुई है। विधालय के शताब्दी वर्ष पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव के मांग पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी एवं शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव जी ने राशि की प्रशासकीय स्वीकृति दी है। जगतू माहरा शासकीय बहुउद्देशीय विद्यालय के जीर्णोद्धार के लिए राशि स्वीकृत होने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने बताया कि विगत माह पूर्व जगतू माहरा शासकीय बहुउद्देशीय विद्यालय के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शताब्दी समारोह आयोजित कार्यक्रम में मान.मुख्यमंत्री एवं मान. शिक्षा मंत्री से विद्यालय के जीर्णोद्धार व उन्नयन कार्य हेतु राशि की मांग की गई थी। इस विद्यालय में बस्तर संभाग के अनेक विद्यर्थियो ने अध्ययन कर आज बहुत बड़े बड़े मुकाम पर पहुंच कर बस्तर का नाम रोशन किया है। जिसके विकास एवं जीर्णोद्धार के लिए मांग पर प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी एवं शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव जी ने हमारे मांग पर विद्यालय के विकास हेतु 1 करोड़ 50 लाख की राशि स्वीकृत किया है।

14 दिन के प्रशिक्षण से बदलेगी महिलाओं की तकदीर

सढ़ौली में आर्टिफिशियल ज्वैलरी मेकिंग से आत्मनिर्भरता की नई राह

गरियाबंद (विश्व परिवार)। ग्रामीण स्वरोजगार विकास संस्थान (आरसेटी) गरियाबंद एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम पंचायत सढ़ौली में आयोजित 14 दिवसीय आर्टिफिशियल ज्वैलरी मेकिंग प्रशिक्षण महिलाओं और बालिकाओं के लिए आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बन रहा है। प्रशिक्षण में 35 से अधिक महिलाएं एवं बालिकाएं भाग लेकर स्वरोजगार की दिशा में नए अवसर तलाश रही हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में 10 दिनों तक प्रतिभागियों को सिद्धांत और व्यावहारिक दोनों प्रकार की शिक्षा दी जा रही है, जबकि शेष 4 दिनों में उनके द्वारा सीखे गए कार्यों का मूल्यांकन किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आर्टिफिशियल ज्वैलरी निर्माण के साथ-साथ उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत मार्केटिंग प्रबंधन, बैंकिंग सेवाओं, डिजिटल मार्केटिंग तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की जा रही है। महिलाओं को झुमके, विभिन्न प्रकार के टॉप्स, बाली, ब्रेसलेट, मांगटीका, राधा रानी गले का सेट, मोतियों के हार, टियारा, हेयर क्लिप, जुड़ा, चूड़ी, झूमर, तोरण, करवाचौथ की सजावटी थाली एवं चन्नी सहित अनेक सजावटी वस्तुओं के निर्माण का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण को रोचक और प्रभावी बनाने के लिए खेल आधारित गतिविधियों का भी सहारा लिया जा रहा है। रिंग टाय गेम के माध्यम से प्रबंधन कौशल, सामूहिक टॉवर निर्माण गतिविधि से आत्मनिर्भरता एवं टीमवर्क तथा नाव विधि से गुणवत्ता और समय प्रबंधन की समझ विकसित की जा रही है। इन गतिविधियों के जरिए नेतृत्व क्षमता, सामूहिक कार्य संस्कृति और समस्या समाधान जैसे महत्वपूर्ण विषयों को सरलता से समझाया जा रहा है।

प्रशिक्षणार्थी योगिता शांडिल्य ने बताया कि इस प्रशिक्षण ने उन्हें नया कौशल सीखने के साथ-साथ स्वयं का व्यवसाय शुरू करने का आत्मविश्वास भी दिया है। उन्होंने विभिन्न प्रकार की आर्टिफिशियल ज्वैलरी एवं सजावटी सामग्री निर्माण का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया है। योगिता ने कहा कि भविष्य में वे आर्टिफिशियल ज्वैलरी निर्माण को स्वरोजगार के रूप में विकसित कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कार्य करेंगी।

आरसेटी और जिला प्रशासन की यह पहल ग्रामीण महिलाओं को कौशल विकास से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है। प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाएं न केवल हुनर सीख रही हैं, बल्कि आत्मविश्वास और उद्यमिता की नई पहचान भी गढ़ रही हैं।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग संभाग कवर्धा (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-/3425 /NIT- 06/2026-27/ व ले लि — दिनांकः 19/06/2026

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथिः- 02.07.2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक

ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथिः- 09.07.2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि :- 10.07.2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

निविदा कारो की श्रेणी :- 'दड्ढ श्रेणी से "अ" तक

एनआईटी क्र. निविदा क्र	कार्य का नाम / NoOfCalls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख मे) अमानत राशि (रू.मे) बैंक साल्वेंसी (रू. में)
1	2	3
6 T0026	जिला न्यायालय परिसर कबीरधाम (कवर्धा) में मुख्य प्रवेश एवं द्वितीय प्रवेश द्वार पर निर्मित पोर्च के विस्तार किये जाने का कार्य - प्रथम आमंत्रण (समय 2 माह)	9.82 7365.00 147300.00
6 T0027	लोक निर्माण विभाग उप संभाग बोड़ला के अंतर्गत आवासीय भवनों में साधारण मरम्मत का कार्य - द्वितीय आमंत्रण (समय 6 माह)	10.00 7500.00 150000.00
6 T0028	लोक निर्माण विभाग उप संभाग पंडरिया के अंतर्गत भवनों में विशेष मरम्मत का कार्य - द्वितीय आमंत्रण (समय 6 माह)	6.97 5230.00 104550.00
6 T0029	ग्राम सैगोना में किशोर न्याय बोड भवन का निर्माण कार्य -प्रथम आमंत्रण (समय 4 माह)	9.25 6940.0 138750.00

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र मे उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग संभाग कवर्धा

जी- 262701635/3

हर आंगन में समृद्धि की नई उम्मीदः समग्र डेयरी विकास योजना से बदल रही ग्रामीण अर्थव्यवस्था

मंत्री रामविचार नेताम ने 13 पशुपालकों को सौंपी दुधारू गायें, कहा- शुपालन बनेगा आत्मनिर्भर गांवों की सबसे बड़ी ताकत

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में आत्मनिर्भरता और आर्थिक समृद्धि की नई कहानी लिखने की दिशा में राज्य सरकार की समग्र डेयरी विकास योजना प्रभावी साबित हो रही है। इसी कड़ी में विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम पचावल में आयोजित कार्यक्रम में कृषि विकास एवं किसान कल्याण, जैव प्रौद्योगिकी, पशुपालन तथा मछली पालन मंत्री रामविचार नेताम ने 13 चयनित पशुपालकों को एक-एक दुधारू गाय, साइलेज पशुआहार एवं खनिज मिश्रण वितरित कर उनके जीवन में नई उम्मीदों का संचार किया। इस अवसर पर मंत्री श्री नेताम ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल पशु उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवारों को स्थायी आजीविका और आर्थिक आत्मनिर्भरता से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि पशुपालन आज किसानों और ग्रामीण परिवारों के लिए अतिरिक्त आय का नहीं, बल्कि सम्मानजनक और स्थायी रोजगार का मजबूत माध्यम बन चुका है।

मंत्री श्री नेताम ने बताया कि पहले दुधारू पशु प्रदाय योजना का लाभ केवल आदिवासी समुदाय तक सीमित था, लेकिन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इसे सभी वर्गों के लिए लागू कर दिया है। इससे अब अधिक से अधिक ग्रामीण परिवार डेयरी व्यवसाय से जुड़कर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि समग्र डेयरी विकास योजना के तहत हितग्राहियों को केवल दुधारू गाय ही नहीं, बल्कि सफल डेयरी संचालन के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। योजना के अंतर्गत साइलेज, संतुलित पशु आहार, खनिज मिश्रण, एक वर्ष का पशु बीमा, पशु निगरानी उपकरण तथा वैज्ञानिक पशुपालन का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, जिससे पशुपालक आधुनिक तकनीकों को अपनाकर अधिक उत्पादन और बेहतर आय अर्जित कर सकें।

मंत्री श्री नेताम ने पशु चिकित्सा विभाग द्वारा जिले में संचालित नियमित टीकाकरण, उपचार एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि स्वस्थ पशुधन ही डेयरी विकास की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने पशुपालकों से मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए समय पर टीकाकरण कराने तथा वैज्ञानिक पद्धति से पशुपालन अपनाने का आग्रह किया।

सहकारिता सप्ताह को जनआंदोलन बनाने की तैयारी, राज्य स्तरीय आयोजन को लेकर मंत्री केदार कश्यप ने ली समीक्षा बैठक

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 जून से 6 जुलाई 2026 तक आयोजित किए जाने वाले सहकारिता सप्ताह की तैयारियों को लेकर आज नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने विभागीय अधिकारियों, विभिन्न सहकारी संस्थाओं एवं महासंघों के प्रबंध संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में देश में सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा और नई पहचान मिली है। सहकारिता आज केवल एक विभाग नहीं, बल्कि किसानों की समृद्धि, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है।

उन्होंने कहा कि सहकारिता सप्ताह का आयोजन केवल औपचारिक कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे जनभागीदारी आधारित अभियान का स्वरूप दिया जाना चाहिए। राज्य के प्रत्येक जिले, विकासखंड और सहकारी समिति स्तर तक कार्यक्रम आयोजित कर आम नागरिकों, किसानों, युवाओं तथा महिला समूहों को इससे जोड़ने के प्रयास किए जाएं।

मंत्री कश्यप ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सहकारिता सप्ताह के दौरान जागरूकता, सहभागिता और नवाचार पर विशेष ध्यान दिया जाए।

वार्डों में विकास कार्यों की सौगात, महापौर ने किया लाखो के जनहितकारी कार्यों का भूमिपूजन

- नाली, पुलिया एवं सड़क निर्माण से नागरिकों को मिलेगी बेहतर मूलभूत सुविधाएं

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में विकास कार्यों को गति देते हुए आज महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, शेखर चन्द्राकर, पार्षद बबिता गुड्डु यादव, पार्षद गुलशन साहू, पार्षद पायल पाटिल,रंजीता पाटिल, अनूप पाटिल,उपअभियंता अपर्णा मिश्रा,मंडल अध्यक्ष हरीश चौहान एवं बड़ी संख्या में उपस्थित वार्डवासियों के बीच विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इस दौरान वार्ड क्रमांक 29 अस्पताल वार्ड, वार्ड क्रमांक 24 आमदी मंदिर वार्ड तथा वार्ड क्रमांक 52 बोरसी क्षेत्र में नाली, पुलिया, सड़क सीमेंटीकरण एवं मुक्तिधाम जीर्णोद्धार सहित अनेक विकास कार्यों की आधारशिला रखी गई। वार्ड क्रमांक 29 अस्पताल वार्ड में भागीरथ के घर से मदन यादव के घर तक विभिन्न स्थानों पर नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इसके अलावा सिद्धेश्वर शिव मंदिर से फरिस्ता कॉम्प्लेक्स, लाला जियो सेंटर होते हुए बबली कॉर्नर तक नाली निर्माण कार्य प्रारंभ करने की घोषणा की गई। वहीं वार्ड क्रमांक 24 आमदी मंदिर वार्ड में भी नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर नागरिकों को बेहतर जल निकासी सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।

मोहर्रम को लेकर निगम का विशेष अभियान ताजिया मार्गों से हटाई जा रहीं बाधाएं

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। आगामी मोहर्रम पर्व को ध्यान में रखते हुए नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहरभर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। ताजिया जुलूस के के लिए विभिन्न मोहल्लों, गलियों एवं मुख्य मार्गों पर झुकी हुई पेड़ों की डालियों की कटाई तथा मार्गों में लगे तोरण एवं अन्य अवरोधों को हटाने का कार्य किया जा रहा है।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने सभी जोन आयुक्तों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि मोहर्रम पर्व के मद्देनजर विशेष अभियान चलाकर ताजिया मार्गों का निरीक्षण किया जाए तथा किसी भी प्रकार की बाधा को तत्काल हटाया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि जुलूस मार्गों एवं आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। निगम प्रशासन द्वारा सभी जोन में अमले की तैनाती कर आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। अधिकारियों को ताजिया मार्गों पर विशेष निगरानी रखने तथा आवश्यकतानुसार शाखाओं की छंटाई, अवरोध हटाने एवं स्वच्छता कार्य समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

मोहर्रम पर्व शांति, सौहार्द और श्रद्धा का प्रतीक है, नगर निगम द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं जिससे पर्व के दौरान नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें और ताजिया जुलूस सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके।

प्रदेश की 40 प्रतिशत महिलाओं को महतारी वंदन का लाभ भी नही मिल रहा -कांग्रेस

रायपुर (विश्व परिवार)। आबकारी मंत्री द्वारा शराब की कमाई से महतारी वंदन की राशि देने का बयान बेहद आपत्तिजनक है प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि सरकार शराब की कमाई से महतारी वंदन की राशि मत दे महिलाओं को यह पैसा नही चाहिये। महिलाओं को अपना परिवार बर्बाद करके सरकार से 1000 नही चाहिये। सरकार महतारी वंदन की राशि भले मत दे, वह प्रदेश में पूर्ण शराबबंदी लागू करे। वैसे भी महतारी वंदन में 1000 रू देकर बिजली बिल के नाम पर सरकार तीन गुना ज्यादा वसूल रही है। यह सरकार महिलाओं को ठगने का काम कर रही है। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव के समय सभी विवाहित महिला को 1000 रू. प्रतिमाह देने का वादा किया था। सरकार के आने के बाद भाजपा अपने वादे से पलट गयी। सभी विवाहित के स्थान पर इ ंक म ट ै क स प े य ी परिवार, सरकारी नौकरी परिवार की बंदिशे लगाकर महिलाओं को अपात्र घोषित किया। महतारी वंदन की पहली किस्त में 75 लाख महिलाओं को राशि दी गयी। धीरे-धीरे हर माह सरकार ने कटौती कर दिया। आखिरी में लगभग 69 लाख महिलाओं को ही राशि मिल पाई। आधी महिलायें आज भी लाभ मिलने का रास्ता देख रही।

पत्रकारों को महाराष्ट्र मंडल भवन बुकिंग में मिलेगी 25 प्रतिशत छूट

रायपुर (विश्व परिवार)। पत्रकार कल्याण की दिशा में लगातार प्रयासरत रायपुर प्रेस क्लब ने अपने सदस्यों के हित में एक और महत्वपूर्ण पहल की है। अब रायपुर प्रेस क्लब के अधिकृत पत्रकार सदस्यों को महाराष्ट्र मंडल के भवनों की बुकिंग पर 25 प्रतिशत की विशेष छूट प्राप्त होगी। रायपुर प्रेस क्लब द्वारा पत्रकारों को विवाह, पारिवारिक समारोहों एवं अन्य सामाजिक आयोजनों के लिए भवन बुकिंग में रियायत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न संस्थाओं से संपर्क कर प्रस्ताव भेजे गए थे। इसी क्रम में शहर के हृदय स्थल में संचालित प्रसिद्ध महाराष्ट्र मंडल ने प्रेस क्लब के प्रस्ताव पर सहमति जताते हुए अपने भवनों की बुकिंग पर प्रेस क्लब के अधिकृत सदस्यों को 25 प्रतिशत की छूट प्रदान करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष श्री अजय मधुकर काले जी की ओर से जारी सहमति पत्र महाराष्ट्र मंडल के प्रतिनिधियों रविंद्र ठेंगड़ी एवं कुणाल मिश्रा ने रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी को सौंपा।

भिलाई इस्पात संयंत्र का अतिक्रमण पर सख्त प्रहार अवैध कब्जे हटाए, बिजली कनेक्शन भी काटे

रायपुर (विश्व परिवार)। भिलाई इस्पात संयंत्र के प्रवर्तन विभाग द्वारा टाउनशिप क्षेत्र में अनाधिकृत कब्जों एवं सड़क अतिक्रमण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर विभिन्न स्थानों पर प्रभावी कार्रवाई की गई। अभियान के तहत सेक्टर-6 मार्केट चौक तथा आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण कर सड़क किनारे सामग्री फैलाकर व्यवसाय संचालित करने वाले व्यक्तियों द्वारा किए गए अतिक्रमण हटवाए गए। इस दौरान छह अस्थायी शेड भी हटाए गए। संबंधित व्यक्तियों को भविष्य में सार्वजनिक मार्गों पर सामग्री न फैलाने तथा यातायात में बाधा उत्पन्न न करने की सख्त चेतावनी दी गई।

कार्रवाई के दौरान स्ट्रीट एवेन्यू 'सी' स्थित अनफिट ब्लॉक में अवैध रूप से कब्जा कर रहने वाले व्यक्तियों के कारण मार्ग संकरा होने की स्थिति का संज्ञान लिया गया। पूर्व में जारी निर्देशों और समझाइश के बावजूद कब्जा नहीं हटाए जाने पर नगर विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के सहयोग से संबंधित परिसर की अवैध विद्युत आपूर्ति विच्छेदित कर दी गई।

कब्जाधारियों को पुनः निर्देशित किया गया कि वे शीघ्र स्वेच्छा से परिसर खाली करें। साथ ही प्रस्तावित ध्वस्तीकरण कार्य के संबंध में संबंधित कार्यदल को आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए गए। अभियान के अंतर्गत सेंट्रल एवेन्यू से सेक्टर-6 मार्केट जाने वाले मार्ग तथा चौक क्षेत्र में दिन के समय सार्वजनिक मार्गों पर खड़े छोड़े गए ठेलों को भी हटवाया गया। संबंधित व्यक्तियों को चेतावनी दी गई कि भविष्य में ऐसी स्थिति पाए जाने पर संपदा न्यायालय के माध्यम से ठेलों की जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

CHHATTISGARH STATE POWER DISTRIBUTION CO. LTD.
(A GOVERNMENT OF CHHATTISGARH UNDERTAKING) (A SUCCESSOR COMPANY OF CSEB)
OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER, CITY CIRCLE-I, RAIPUR
Website - www.cseb.gov.in Office Mail ID – secc.raipur@cspc.co.in Phone No. 0771-2574800, 2574801 Fax No. 0771-2574805

NOTICE INVITING TENDER THROGH E-BIDDING

E-tenders are invited against below tenders of following work:-

S. N.	Tender No.	Name of work	Value of contract (Without GST)	EMD Amount (online)	Last date & Time of submission of bids	Due date of Opening
1	TR-2026_24 Dt. 23.06.2026 RFX No. 8100052461	Awarding contract for engagement of 1 skilled and 2 unskilled employees for attending FOC Work, D.O. TMC Works & Revenue realization work i.e. RC/DC work under the jurisdiction of **Civil Line Zone (additional FOC Manpower)** under **EE. City Dn. East, CSPDCL**	**15,98,256/-**	**15,983/-**	Dt. 13.07.26 upto 02:30 PM	Dt. 13.07.26 upto 03:00 PM
2	TR-2026_25 Dt. 23.06.2026 RFX No. 8100052483	Awarding contract for engagement of 1 skilled and 2 unskilled employees for attending FOC Work, D.O. TMC Works & Revenue realization work i.e. RC/DC work under the jurisdiction of **Lakhe Nagar Zone (additional FOC Manpower)** under **EE. City Dn. West, CSPDCL**	**15,98,256/-**	**15,983/-**	Dt. 13.07.26 upto 02:30 PM	Dt. 13.07.26 upto 03:00 PM
3	TR-2026_26 Dt. 23.06.2026 RFX No. 8100052484	Awarding contract for engagement of 1 skilled and 2 unskilled employees for attending FOC Work, D.O. TMC Works & Revenue realization ork i.e. RC/DC work under the jurisdiction of **Tikra Para Zone (additional FOC Manpower)** under **EE. City Dn. West, CSPDCL**	**15,98,256/-**	**15,983/--**	Dt 13.07.26 upto 02:30 PM	Dt. 13.07.26 upto 03:00 PM
4	TR-2026_27 Dt. 23.06.2026 RFX No. 8100052485	Awarding contract for engagement of 1 skilled and 2 unskilled employees for attending FOC Work, D.O. TMC Works & Revenue realization work i.e. RC/DC work under the jurisdiction of **DDU Nagar Zone (additional FOC Manpower)** under **EE. City Dn. West, CSPDCL**	**15,98,256/-**	**15,983/-**	Dt. 13.07.26 upto 02:30 PM	Dt. 13.07.26 upto 03:00 PM
5	TR-2026_28 Dt. 23.06.2026 RFX No. 8100052486	Awarding contract for Hiring of Light Commercial Vehicle (Pickup) or Equivalent (1.0 to 1.5 Ton Capacity) for FOC Fuse of Call under AE **Civil Line Zone (additional FOC Vehicle) of EE City East Dn. CSPDCL Raipur**	**8,50,464/-**	**8,505/-**	Dt. 13.07.26 upto 02:30 PM	Dt. 13.07.26 upto 03:00 PM
6	TR-2026_29 Dt. 23.06.2026 RFX No. 8100052487	Awarding contract for Hiring of Light Commercial Vehicle (Pickup) or Equivalent (1.0 to 1.5 Ton Capacity) for FOC Fuse of Call under AE **Lakhe Nagar Zone (additional FOC Vehicle) of EE City West Dn. CSPDCL Raipur**	**8,50,464/-**	**8,505/-**	Dt. 13.07.26 upto 02:30 PM	Dt. 13.07.26 upto 03:00 PM
7	TR-2026_30 Dt. 23.06.2026 RFX No. 8100052488	Awarding contract for Hiring of Light Commercial Vehicle (Pickup) or Equivalent (1.0 to 1.5 Ton Capacity) for FOC Fuse of Call under AE **DDU Nagar Zone (additional FOC Vehicle) of EE City West Dn. CSPDCL Raipur**	**8,50,464/-**	**8,505/-**	Dt. 13.07.26 upto 02:30 PM	Dt. 13.07.26 upto 03:00 PM
8	TR-2026_31 Dt. 23.06.2026 RFX No. 8100052490	Awarding contract for Hiring of Light Commercial Vehicle (Pickup) or Equivalent (1.0 to 1.5 Ton Capacity) for FOC Fuse of Call under AE **Tikra Para Zone (additional FOC Vehicle) of EE City East Dn. CSPDCL Raipur**	**8,50,464/-**	**8,505/-**	Dt. 13.07.26 upto 02:30 PM	Dt. 13.07.26 upto 03:00 PM

Details of Tender, Technical Specifications, Terms and Conditions etc are available on our website www.cseb.gov.in, www.cspdcl.co.in and **ebidding http:/cijsrp.cspdcl.co.in.** The Tender document can also be downloaded from CSPDCL's official website mentioned above. The cost of required Tender fee (which is not refundable) of **Rs. 2000/-** including GST and EMD for each tender may be deposited by online through e-bidding.

SAVE ELECTRICITY samwad- 48256/3 **Superintending Engineer City Circle-I, CSPDCL: Raipur**

डुंडा में बैंक ऑफ बड़ौदा की नई शाखा का शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी बैंकिंग सेवाओं के विस्तार एवं ग्राहकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रायपुर के डुंडा क्षेत्र में अपनी नई शाखा का शुभारंभ किया। शाखा का उद्घाटन छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम (CSIDC) के चेयरमैन श्री राजीव अग्रवाल के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ।

उद्घाटन समारोह में श्री दिवाकर पी. सिंह, महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, रायपुर अंचल, श्री राज बीर सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख, रायपुर क्षेत्र तथा श्री अंकित जायसवाल, उप क्षेत्रीय प्रबंधक, रायपुर क्षेत्र सहित बैंक के अधिकारी, कर्मचारी, ग्राहक एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर अतिथियों ने शाखा परिसर का अवलोकन किया तथा बैंक द्वारा उपलब्ध कराई जा रही आधुनिक बैंकिंग एवं डिजिटल सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा बैंकिंग सेवाओं को जन-जन तक पहुँचाने के प्रयासों की सराहना की।

वक्ताओं ने कहा कि डुंडा क्षेत्र में नई शाखा के प्रारंभ होने से स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों, उद्यमियों, विद्यार्थियों एवं किसानों को बैंकिंग सेवाएँ अधिक सुगमता एवं सुविधा के साथ उपलब्ध होंगी। साथ ही क्षेत्र में वित्तीय जागरूकता एवं आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। श्री दिवाकर पी. सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि बैंक ऑफ बड़ौदा ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक एवं विश्वसनीय बैंकिंग सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्यरत है। नई शाखा बैंक की ग्राहक-केंद्रित सोच एवं वित्तीय समावेशन के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

आंगनबाड़ी भवनों की दीवारें बनी ज्ञान की पाठशाला

रायपुर। जिले में बच्चों को सुरक्षित, सुविधायुक्त और सीखने के उपयुक्त वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से नवीन आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण किया जा रहा हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले में नवीन आंगनबाड़ी भवनों की आवश्यकता वाले 71 केन्द्रों की सूची प्राप्त होने पर इन भवनों के निर्माण कार्य को स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृत 71 आंगनबाड़ी भवनों में से वर्तमान तक 65 भवनों का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना

ई-टेंडर नोटिस नंः MEMU-BIA-26-27-Uper Gear-9. **कार्य का नामः** मेमू कोच (MCs + TCs) के अपर गियर से जुड़े काम के साथ-साथ, प्लंबिंग, कारपेंट्री और पेस्ट कंट्रोल ट्रीटमेंट, 3 साल के लिए। **काम की लागतः** रुपये 1,62,73,783.45 (रुपयेः एक करोड़ बासठ लाख तिहत्तर हजार सात सौ तिरासी रुपये और पैंतालीस पैसे मात्र). **बोली सुरक्षा/बयाना राशि जमाः** रुपये 2,31,400/- (रुपयेः दो लाख इकतीस हजार चार सौ रुपये मात्र). **कार्य की पूर्णता अवधिः** कार्य प्रारंभ होने की तिथि से 36 (छत्तीस) माह.

निविदा समाप्ति की तिथि और समयः 10.07.2026 को 11:30 बजे।

वेबसाइट विवरण और निविदा के विवरण यहां देखे जा सकते हैं: **https://www.ireps.gov.in**

मंडल विद्युत अभियंता (मेमू)
पीआर/आर/टीआरएस(बीआईए)/पीसीएन/102 *द.पू.म.रेलवे, भिलाई*

South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

COM/FRT/G/R-SGBB-COAL/E-auction/26/03, Date: 22.06.2026

क्र.सं.	संक्षिप्त विवरण	नीलामी तिथि	नीलामी समय	
1	एसजीबीबी गुड्स शेड में उपलब्ध लगभग 484 टन कोयले, जो ओवरलोडेड वैगनों से भार समायोजन हेतु उतारा गया तथा दावा न किए गए अवशिष्ट एवं ऑफलोडेड माल के रूप में पड़ा है, की नीलामी।	10.07.2026	11:00	11:30

सभी ई-नीलामी अधिसूचना का विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।

पीआर/आर/एसआर.डीसीएम/पीसीएन/112 *सहायक वाणिज्य प्रबंधक/रायपुर*

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, बुधवार 24 जून 2026

आपातकाल की 51वीं वर्षगांठ पर भाजपा 'जेल से कोर्ट तक यात्रा' निकालेगी

रायपुर (विश्व परिवार)। 25 जून 1975 को देश में लगाए गए आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र के सबसे काले अध्यायों में से एक माना जाता है। इस दिन को भाजपा 'आपातकाल दिवस' या 'काला दिवस' के रूप में मनाती है। इस वर्ष भी भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है। इसके तहत मौन और मशाल जुलूस, 'जेल से कोर्ट तक यात्रा', सम्मेलन सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भाजपा के प्रदेश संयोजक सच्चिदानंद उपासने ने बताया कि आपातकाल की 51वीं वर्षगांठ पर पार्टी की ओर से 24 जून को 'जेल से कोर्ट तक यात्रा' निकाली जाएगी।

मोवा अंडरब्रिज में सीसी रोड के निर्माण से पानी भरने की समस्या हल हुई

- गहरी नाली का निर्माण होने से वाहन चालकों की आवाजाही होगी सुगम

रायपुर (विश्व परिवार)। लंबे अर्से से मोवा ओव्हरब्रिज में लग रहे जाम से लोगों को रोज आवाजाही में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। समस्या के विकल्प के रूप में राज्य के लोक निर्माण विभाग द्वारा अंडरब्रिज का निर्माण किया गया था।

वर्षाकाल में अंडरब्रिज में पानी भरने की वजह से वाहन चालकों की आवाजाही प्रभावित होती थी। विगत लगभग दो महीनों के बाद हाल ही में अंडरब्रिज यातायात के लिए खोला गया है। सीसी रोड का निर्माण करवाने के साथ ही सीसी रोड के दोनों ओर गहरी नाली का निर्माण करवाया गया है। हाल ही में हुई अल्पकालीन वर्षा से सीसी रोड में पानी का भराव नहीं हुआ है जिसके चलते मोवा सड्डू क्षेत्र से बड़ी संख्या में आवाजाही करने वालों को राहत मिली है। सर्वोम कालोनी निवासी राहुल वासवानी ने चर्चा के दौरान बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा उप मुख्यमंत्री एवं विभाग प्रमुख अरूण साव के सक्रिय प्रयास से ही उक्त क्षेत्रों से आवाजाही करने वालों को राहत मिली है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारत की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय स्वाभिमान के सशक्त प्रहरीः सीएम साय

- मुख्यमंत्री ने बलिदान दिवस पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित की

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में प्रख्यात शिक्षाविद्,भारत के प्रथम उद्योग मंत्री, राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारत की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय स्वाभिमान के सशक्त प्रहरी थे। उन्होंने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपना संपूर्ण जीवन देश सेवा के लिए समर्पित किया। उनके विचार, संघर्ष और त्याग भारतीय लोकतंत्र एवं राष्ट्रवादी चिंतन की अमूल्य धरोहर हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने देश की राजनीति को वैचारिक आधार प्रदान किया तथा राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। राष्ट्र की अखंडता और सांस्कृतिक अस्मिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आज भी प्रत्येक देशवासी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विकसित, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ते समय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्श और सिद्धांत हमें निरंतर मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उनके विचारों को आत्मसात कर ही हम राष्ट्र निर्माण के संकल्प को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा सकते हैं।

महापौर मीनल चौबे ने जलभराव की समस्या दूर करने किया निरीक्षण

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने नगर निगम जोन 5 अंतर्गत सुंदर नगर में काशी होटल के पास जलभराव की समस्या का निरीक्षण कर नई पुलिया समस्या का समाधान शीघ्र करने बनाने के निर्देश जोन 5 जोन अध्यक्ष श्री अम्बर अग्रवाल, जोन 5 जोन कमिश्नर श्री खीरसागर नायक, कार्यपालन अभियंता श्री लाल महेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक अभियंता श्री नागेश रामटेके उपअभियंता सुश्री प्राची चौबे, जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री सन्दीप वर्मा, स्वच्छता निरीक्षक श्री दिलीप साहू की उपस्थिति में करते हुए दिए.

कोचिंग संस्थानों में अग्नि एवं लिफ्ट सुरक्षा मानकों का हुआ निरीक्षण

रायपुर (विश्व परिवार)। आज नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा अग्नि सुरक्षा एवं लिफ्ट सुरक्षा के दृष्टिकोण से शहर के प्रमुख कोचिंग संस्थानों यथा अनअकादमी , आरसीसी , अकादजा , विद्यापीठ एवं एलन का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एलन , अनअकादमी एवं विद्यापीठ में कक्षाओं में निर्धारित क्षमता से अधिक विद्यार्थियों के बैठने तथा वेंटिलेशन संबंधी कमियां पाई गईं। अन्य सुरक्षा मानक सामान्यत: संतोषजनक पाए गए। वहीं अकादजा एवं आरसीसी में फायर सेफ्टी अनुपालन, वेंटिलेशन, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था सहित विभिन्न सुरक्षा संबंधी कमियां पाई गईं। संबंधित संस्थानों के संचालकों को समस्त कमियों का निराकरण एक सप्ताह के भीतर सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। साथ ही संबंधित जोनों को नियमानुसार नोटिस जारी कर अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान संस्थानों को स्पष्ट एवं कड़ी चेतावनी दी गई कि निर्धारित समयावधि में

समस्त कमियों का निराकरण कर अनुपालन प्रस्तुत करें, अन्यथा नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। उक्त निरीक्षण रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देश एवं नगर निवेशक श्री अभाष मिश्रा के मार्गदर्शन में शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में संपादित किया गया। निरीक्षण दल में मुख्यालय के प्रभारी सहायक अभियंता श्री सोहन गुप्ता, सहायक अभियंता श्री अंकुर अग्रवाल (जोन-6), उप अभियंता श्री सागर ठाकुर (जोन-6) तथा अग्निशमन विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

टिश्यू कल्चर तकनीक से बढ़ेगी किसानों की आय सागौन बनेगा भविष्य का सुरक्षित निवेशः केदार

- हर खेत में सागौन, हर किसान समृद्ध, केदार कश्यप ने दिया कृषि वानिकी को बढ़ावा देने का मंत्र

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में किसानों की आय बढ़ाने और कृषि वानिकी को नई दिशा देने के उद्देश्य से अरण्य भवन, नवा रायपुर में सागौन प्रबंधन एवं उन्नत सागौन रोपण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वन, जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने किसानों को संबोधित करते हुए सागौन को भविष्य का सबसे सुरक्षित और लाभकारी हरित निवेश बताया तथा अधिक से अधिक किसानों से वृक्ष आधारित कृषि मॉडल अपनाने का आह्वान किया। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि सागौन केवल एक वृक्ष नहीं, बल्कि किसानों की आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार है। जिस प्रकार लोग भविष्य को सुरक्षित करने के लिए बैंक में फिक्स डिपॉजिट करते हैं, उसी प्रकार सागौन का पौधा लगाना भी दीर्घकालिक और भरोसेमंद निवेश है। आज लगाया गया एक पौधा आने वाले वर्षों में परिवार की समृद्धि, बच्चों की शिक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान कर सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि के साथ-साथ कृषि वानिकी को भी प्रोत्साहित कर रही है।

रोटरी क्लब ऑफ रायपुर एलिगेंस एवं वीएलसीसी द्वारा सौंदर्य एवं व्यक्तित्व निखार कार्यशाला का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। महिलाओं के व्यक्तित्व विकास, सौंदर्य जागरूकता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देने की दिशा में रोटरी क्लब ऑफ रायपुर एलिगेंस द्वारा VLCC School of Beauty के सहयोग से एक विशेष ब्यूटी एवं ग्रूमिंग वर्कशॉप का आयोजन किया।*

यह कार्यशाला प्रसिद्ध ब्यूटी विशेषज्ञ नम्रता गुगलानी, जो ङ्कस्ष्ट स्ष्द्धश्शद्य शद्ध ब्क्ष्द्बह्ह4 की हेड हैं, के मार्गदर्शन में आयोजित हुई। इस विशेष कार्यशाला में प्रतिभागियों को हेयर स्टाइल्स, बेसिक मेकअप और स्किन केयर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी, टिप्स तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यशाला में हेयर स्टाइल्स के अंतर्गत अलग-अलग अवसरों के अनुरूप हेयर स्टाइलिंग के आसान

एवं आकर्षक तरीकों की जानकारी दी जाएगी। वहीं बेसिक मेकअप सत्र में प्रतिभागियों को दैनिक जीवन, छोटे आयोजनों और विशेष अवसरों के लिए उपयुक्त मेकअप तकनीकों के बारे में बताया गया।

इसके साथ ही स्किन केयर सत्र में त्वचा की सही देखभाल, मौसम के अनुसार स्किन रूटीन, घरेलू एवं प्रोफेशनल केयर के बीच अंतर, तथा त्वचा को स्वस्थ और दमकता बनाए रखने के उपाय साझा किए गए। इस दौरान विशेषज्ञ प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी करेंगे, जिससे उन्हें सौंदर्य एवं ग्रूमिंग से जुड़े विषयों की व्यावहारिक और उपयोगी समझ प्राप्त हो सके। यह विशेष कार्यशाला दो दिन में आयोजित की गई, 60 से अधिक सदस्यो ने शामिल होकर लाभ उठाया।

भाजपा का बिरगांव निगम घेराव केवल एक राजनीति नौटंकीः इकराम अहमद

बिरगांव (विश्व परिवार)। भाजपा द्वारा पानी की समस्या एवं सफाई व्यवस्था को लेकर आज नगर निगम का घेराव किया गया, जिसके चलते मुख्य मार्ग पर बैरिकेडिंग लगाकर यातायात बाधित किया गया। इस कारण आम नागरिकों एवं स्कूली बच्चों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। एमआईसी. सदस्य इकराम अहमद ने भाजपा के इस कदम को सिर्फ राजनीति नौटंकी बताते हुए कहा कि भाजपा के कार्यकाल में नगर निगम क्षेत्र की महिलाओं को पानी के लिए पूरी रात टैंकरों का इंतजार करना पड़ता था। उस समय प्रतिदिन लगभग 800 टैंकरों के माध्यम से क्षेत्र पानी की आपूर्ति की जाती थी, जिसके लिए निगम द्वारा ठेकेदारों को

लगभग दो करोड़ रुपये का भुगतान भी किया जाता था। उन्होंने बताया कि वर्तमान कांग्रेस शासनकाल में निगम क्षेत्र को टैंकर मुक्त बनाते हुए अधिकांश क्षेत्रों में स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। सफाई व्यवस्था पर उन्होंने कहा कि निगम क्षेत्र में सफाई कर्मचारियों की संख्या आवश्यकता से काफी कम है, जिसकी जानकारी समय-समय पर क्षेत्रीय विधायक, मंत्री एवं राज्य सरकार को दी जाती रही है।

हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ सफल आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), रायपुर शाखा कार्यालय द्वारा आज दिनांक 23 जून 2026 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यशालाश्रीमती अनुरीता जोजो, वैज्ञानिक ई/निदेशक एवं प्रमुख, भारतीय मानक ब्यूरो, रायपुर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आधुनिक तकनीकी युग में राजभाषा हिंदी के प्रभावी प्रयोग को बढ़ावा देना और उसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के समावेश, राजभाषा नियमों की विवेचना तथा हिंदी भाषा की विरासत और भविष्यपर चर्चा करना था।

कार्यशाला की शुरुआतश्री राहुल कुमार गुप्ता, वैज्ञानिक सी/उप निदेशक, भारतीय मानक ब्यूरो, रायपुर के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने सभी आमंत्रित अतिथियों और ऑनलाइन जुड़े प्रतिभागियों का स्वागत किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्रीमती अनुरीता जोजो ने प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के सरल और तकनीक-आधारित उपयोग पर विशेष बल दिया।

एनएमडीसी बचेली द्वारा स्थानीय किसानों की आय वृद्धि हेतु निःशुल्क फलदार पौधों का वितरण

बचेली (विश्व परिवार)। बागवानी आधारित आजीविका को प्रोत्साहित करने और ग्रामीण समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करने के उद्देश्य से एनएमडीसी, बचेली अपने सीएसआर विभाग द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की हैं। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रामीण परिवारों के आजीविका को बढ़ावा देने हेतु दिनांक 23.06.2026 को एनएमडीसी सिविल नर्सरी, बचेली में नि:शुल्क फलदार पौधों का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत ग्राम पंचायत नेरली के 20 ग्रामीणों को कुल 620 पौधे वितरित किए गए, जिनमें 140 आम, 300 लीची और 180 नारियल के पौधे शामिल हैं तथा ग्राम पंचायत बड़े बचेली के 32 ग्रामीणों को कुल 993 पौधे वितरित किए गए, जिनमें 224 आम, 481 लीची और 288 नारियल के पौधे शामिल हैं।

इस वर्ष की योजना के अंतर्गत शुरआत में नेरली और बड़े बचेली ग्राम पंचायतों में आम, लीची और नारियल के कुल 1,613 फलों के पौधे वितरित किए गए हैं तथा आगामी दिनों में 10 पंचायतों को नि:शुल्क फलदार पौधों का वितरण किया जायेगा जिसमें भांसी, गमावाड़ा, बड़े कमेली, बेनपाल, गंजेनार, दुगेली, पाड़ापुर, धुरली तथा मोलसनार शामिल हैं।

इस वितरण कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री महेश एस नायर, महाप्रबंधक (मानव संसाधन), श्री जोसी थामस, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) सीएसआर तथा श्री सौरभ कुमार, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) की गरिमामयी उपस्थिति रही। स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण भी इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए थे। ग्रामीणों ने इस योजना की सराहना करते हुए एनएमडीसी, बचेली प्रबंधन का आभार प्रकट किया।

संरक्षा के सजग प्रहरियों को महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने किया सम्मानित

बिलासपुर (विश्व परिवार)। रेल परिचालन में संरक्षा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है । सजगता एवं बेहतर संरक्षा कार्य में सहभागिता निभाने वाले रेल संरक्षा के सजग प्रहरी कर्मचारियों का सम्मान महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा हर माह आयोजित संरक्षा बैठक के दौरान किया जाता है । इसी कड़ी में आज दिनांक 23 जून, 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में कार्यरत संरक्षा कोटि के 05 कर्मचारियो को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा संबंधी कार्य निष्पादन के लिए महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के द्वारा सम्मानित किया गया ।

बिलासपुर रेल मण्डल के ट्रैक मेंटेनर-I / बाराद्वार, श्री उमाशंकर रत्नाकर टी एम् -1 ने दिनांक 01 मई, 2026 को अपने ड्यूटी के दौरान खरसिया-जूनाडीह के मध्य (KM 624/11-13) पर "SEJ टंग रेल में फ्रैक्चर" देखा, तुरंत आवश्यक प्रोटेक्शन कर इसकी सूचना अविलम्ब सर्वसम्बंधित को दिया । तत्पश्चयात, आवश्यक कार्यवाही कर ट्रैक को ठीक किया गया । इस प्रकार श्री उमाशंकर रत्नाकर चाबीदार की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई। बिलासपुर रेल मण्डल के वेंकटनगर सेक्शन के चाबीदार श्री दिनेश कुमार ने दिनांक 24 मई, 2026 को अपने ड्यूटी के दौरान खरसिया- जूनाडीह के मध्य (चरू 837/25-27) पर SEJ टंग रेल में फ्रैक्चर देखा तब तुरंत आवश्यक प्रोटेक्शन कर इसकी सूचना अविलम्ब सर्वसम्बंधित को दिया । तत्पश्चयात, आवश्यक कार्यवाही कर ट्रैक को ठीक किया गया । इस प्रकार श्री उमाशंकर रत्नाकर चाबीदार की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । रायपुर रेल मंडल के भाटापारा के वरिष्ठ ट्रेन मैनेजर श्री राम नारायण टंडन ने अपने ड्यूटी के दौरान देखा कि गाड़ी संख्या N/AAB में (Brake block damage) देख कर सर्वसंबंधित को सूचित किया जिसके उपरांत निरीक्षण के दौरान वैगन में CBC (CBC Yoke broken)" पाया गया । तत्पश्चयात, आवश्यक कार्यवाही कर गाड़ी का सुरक्षित संचालन किया गया । इस प्रकार, इनकी सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । बिलासपुर मंडल के लोको पायलट (मेल-एक्सप्रेस) श्री राम खेलावन रविदास ने ड्यूटी के दौरान बैकुंठक्कसिलियारी सेक्शन के मध्य तेज आंधी, तूफान और भारी बारिश के कारण किलोमीटर संख्या 799/07-09 पर एक पेड़ टूटकर अप लाइन पर गिर गया था, जिससे रेल मार्ग बाधित हो गया था । इन्होने अपनी सूझबूझ एवं त्वरित निर्णय क्षमता का परिचय देते हुए नियंत्रण कक्ष को सूचित कर अप लाइन पर आते हुए एक गाड़ी को सुरक्षित खड़ा करवाया जिससे की एक संभावित बड़ी रेल दुर्घटना को टाला जा सका।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354